दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

एवं मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स परिवार की ओर से...

होलिका दहन की हार्दिक शुभकामनाएं

■ वर्ष 3 ■ अंक 67 ■ जबलपुर, सोमवार 02 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में 1200 बम गिराए

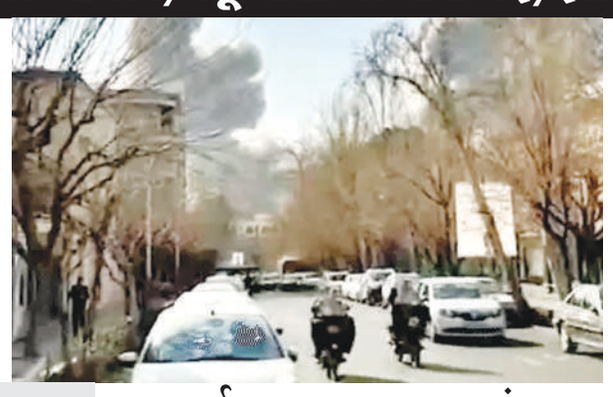

सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत, बेटी-दामाद, बहू-पोती भी मारी गईं; ईरान बोला- खतरनाक बदला लेंगे

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल की वायु सेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल के प्रधानमंती नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी तसनीम और फार्स ने इसकी पुष्टि की। खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा, हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है। इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरूआत करने जा रही है। हमला कुछ देर में शुरू होगा और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

200 की मौत, 740 घायल

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे।

पेट्रोल-डीजल 10-12 रुपए तक महंगे हो सकते हैं

नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। अगर ये जंग लंबी चली और तेल मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' बंद हुआ तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। इसका असर भारत में तेल, शेयर बाजार और सोना-चांदी पर दिख सकता है। 1. पेट्रोल डीजलः दिल्ली में पेट्रोल 95 लीटर से बढ़कर 105 तक पहुंच सकता है। वहीं डीजल 88 से बढ़कर 96 तक जा सकता है। इसकी वजह ये है कि भारत अपनी जरूरत का 90% तेल आयात करता है। इसमें से करीब 50 क्रूड होर्मुज के रास्ते आता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ईरान इस रास्ते को ब्लॉक करता है, तो इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई घट जाएगी और कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेड कर रहा हैं।

हवाई यात्रा पर बड़ा संकट, 444 Flights रद्द होने की आशंका, मंत्रालय ने चेताया

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर आज 444 उड़ानें रद्द होने की आशंका है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस के साथ पूर्ण समन्वय में है। पोस्ट में लिखा था कि ईरान और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों पर हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण, 28 फरवरी को घरेलू एयरलाइंस की 410 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 1 मार्च को 444 उड़ानें रद्द होने की आशंका है। DGCA सुरक्षा और परिचालन नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए हुए है।

युद्ध समाधान नहीं', यूपी के धर्मगुरु की पीएम मोदी से गुहार, इजराइल-ईरान में कराएं सुलह

अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ भारत के अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए, तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए मध्यस्थता करें। उत्तर प्रदेश के बरेली में बोलते हुए, मौलाना रजवी ने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध समाधान नहीं है और उन्होंने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद का समर्थन किया। उन्होंने ईरान के रुख की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे अमेरिका का गौरव और इजराइल का अहंकार चूर-चूर हो गया है। बरेलवी ने एएनआई को बताया कि यह युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। समाधान संवाद है, और समस्या का समाधान केवल संवाद के माध्यम से ही होना चाहिए... झुकने से इनकार करके ईरान ने अमेरिका का गौरव और इजराइल का अहंकार चकनाचूर कर दिया है। एक गरीब देश द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से अमेरिका क्रोधित है, और इजराइल दहशत में है, जिसके कारण वे ईरान में तख्तापलट चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। भारत के युद्ध में शामिल देशों के साथ संतुलित संबंधों को देखते हुए, रजवी ने प्रधानमंत्री मोदी से मध्यस्थता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी से कहना चाहता हूं कि उनके अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं, और इन संबंधों के आधार पर उन्हें मध्यस्थता करनी चाहिए और इस युद्ध को रोकना चाहिए।

नागपुर बारूद फैक्ट्री में धमाका, 17 लोगों की मौत

पीएम ने 2 लाख की मदद का ऐलान किया

नागपुर। नागपुर से आ रही एक अत्यंत दुखद खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एक तरफ जहां सीमा पर तनाव की खबरें हैं, वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र के नागपुर में एक औद्योगिक इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। रविवार, 1 मार्च 2026 की सुबह नागपुर जिले के कटोल तालुका स्थित एक विस्फोटक निर्माण इकाई (रइछ कंपनी) में भीषण विस्फोट हुआ। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है, जबकि कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री की 'डेटोनेटर पैकिंग यूनिट' पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (ढटड) ने निम्नलिखित सहायता की घोषणा की हैः मृतकों के परिजनों कोः प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (ढटठफक्र) से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (ए७-ॅ१३)। घायलों कोः गंभीर रूप से घायल प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। घायलों को नागपुर के ऑरेंज सिटी

हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायलों को इमरजेंसी इलाज के लिए पास के सरकारी हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है। मेडिकल टीमें उनकी हालत पर नजर रख रही हैं। घटना के तुरंत बाद ज़िला और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, और हालात को कंट्रोल करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने इलाके को घेर लिया है और बचाव अभियान जारी है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने ढळक को बताया कि धमाका सुबह 7 बजे से 7.15 बजे के बीच डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में हुआ। कई घायल मजदूरों को तुरंत इलाज के लिए नागपुर के एक हॉस्पिटल ले जाया गया, जबकि मौके पर बचाव अभियान जारी रहा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि अधिकारी नुकसान का अंदाजा लगाने और घटना के कारण की जांच करने के बाद जल्द ही एक डिटेल्ड बयान जारी करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि धमाके का सही कारण अभी पता नहीं चला है। यह पता लगाने के लिए एक डिटेल्ड जांच शुरू की गई है कि धमाका कैसे हुआ और क्या फैसिलिटी में सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन किया गया था। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीमों को भी बचाव और रिकवरी ऑपरेशन में लोकल अधिकारियों की मदद के लिए साइट पर तैनात किया गया है। बचाव और आकलन की कोशिशें जारी हैं, इसलिए आगे के अपडेट का इंतजार है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक, दिन में चलेंगी तेज गर्म हवाएं

नई दिल्ली। दिल्ली में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदल रहा है और मार्च की शुरूआत के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम के औसत तापमान से 2.9 डिग्री अधिक है। जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, दिल्लीवासियों को तेज धूप और गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, दिल्लीवासियों को तेज धूप और गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। सापेक्षिक आर्द्रता : सुबह 8:30 बजे आर्द्रता का स्तर 74 प्रतिशत रहा। आज अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिन के दौरान तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है, जिससे गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

पाण्डुचेरी से पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला, बोले-

इन्होंने सिर्फ विकास में बाधा डाली

पाण्डुचेरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने पुडुचेरी के विकास में बाधा खड़ी कर दी है। पुडुचेरी में एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार, अपराध और गरीबों का दुख-दर्द व्याप्त रहा। उन्होंने आगे कहा कि दो इंजन वाली एनडीए सरकार पुडुचेरी के विकास को और गति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-डीएमके के पूर्व शासनकाल में पुडुचेरी के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन वर्षों में राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार के आरोप, बढ़ते अपराध और गरीबों की उपेक्षा देखी गई। मोदी ने कहा क जब मैं पहले यहां आया था, तब मैंने 'सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी' का नारा दिया था। 'सर्वश्रेष्ठ' का अर्थ है व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन। पिछले साढ़े चार वर्षों में यह परिकल्पना फलदायी साबित हो रही है। पुडुचेरी ने सुशासन और विकास देखा है। उन्होंने पुडुचेरी में बुनियादी ढांचे, शहरी सेवाओं, औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से 2,700 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं पुडुचेरी के लोगों के जीवन में बदलाव लाएंगी। उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा कि पुडुचेरी के अद्भुत लोगों के बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। आज कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया जा रहा है, जिनसे जीवन स्तर में सुगमता आएगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण पहलों का उद्घाटन किया, जिनमें पीएम ई-बस सेवा पहल के तहत ई-बसों का शुभारंभ, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर, सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन (उक्ळक्क्र) पहल के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आवास और पुडुचेरी सरकार की सीवरेज और जल आपूर्ति क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कराईकल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक और गंगा हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि पूरे भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण पर बहुत जोर दिया जा रहा है... बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन का अर्थ है बेहतर सड़कें, जल आपूर्ति, तटीय बुनियादी ढांचा, स्कूल, अस्पताल और ऐसी कई परियोजनाएं। ये सुविधाएं सीधे तौर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाती हैं।

इजराइल-ईरान जंग, पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर लोगों का हमला:12 की मौत

कतर-दुबई में धमाके, मिडिल ईस्ट में CBSE एग्जाम, दिल्ली से 100 फ्लाइट कैंसिल

पेशावर। अमेरिका-इजराइल का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हवाई हमला जारी है। ईरान भी इजराइल पर और मिडिल ईस्ट के 9 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर रहा है। आज सुबह ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान के कराची में हजारों शिया मुसलमानों ने खामेनेई की मौत के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया। इजराइल-अमेरिका के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों

की फायरिंग में 12 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। कई युवक घायल भी हैं। ईरान का मिडिल ईस्ट के राज्यों पर लगातार हमला जारी है। आज सुबह से कतर, दुबई, अबू धाबी में मिसाइ-ड्रोन से अटैक हो रहे हैं। कतर में मौजूद भारतीयों ने हमले के वीडियो भी शेयर किए हैं। इधर, मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के चलते सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन (उइरए) ने मिडिल ईस्ट के देशों में 2 मार्च से होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। इनमें बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में नाम शामिल हैं। एग्जाम की नई तारीखों का ऐलान जल्द किया जाएगा। वहीं, दिल्ली में 100 इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। इनमें 60 जाने वालीं और 40 आने वाली फ्लाइट शामिल हैं।

दावा-खामेनेई के बेटे बन सकते हैं ईरान के सुप्रीम लीडर: आखिरी फैसला 88 मौलवी करेंगे

तेहरान। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि उनकी जगह कौन लेगा। यह सवाल इसलिए भी, क्योंकि ईरान का सुप्रीम लीडर राष्ट्रपति से भी ज्यादा ताकतवर होता है। ईरान ने अभी नए सुप्रीम लीडर के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन सरकारी मीडिया फार्स समेत कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके बेटे मुजतबा खामेनेई इस पद पर चुने जा सकते हैं। उन्हें पिछले 2 साल से सुप्रीम लीडर बनाने की तैयारी चल रही थी। ईरान में सुप्रीम लीडर को रहबर कहा जाता है। रहबर का मतलब है, मार्गदर्शक या रास्ता दिखाने वाला। 88 मौलवियों की असेंबली सुप्रीम लीडर का चुनाव करती है। दुनिया में ईरान और वेटिकन सिटी ही ऐसे देश हैं जहां धार्मिक नेता सबसे ज्यादा ताकतवर हैं। ईरान में सुप्रीम लीडर का दर्जा ठीक वैसा ही है, जैसा वेटिकन में पोप को हासिल है।

समाचार पत्र के स्वामित्व एव अन्य विषयों से संबंधित विवरण...

घोषणा पत्र-4

(दैनिक रेवांचल टाईम्स)

1- प्रकाशन का स्थान	- जबलपुर म.प्र.
2- प्रकाशन की अवधि	- दैनिक
3 - मुद्रक का नाम	- मुकेश श्रीवास
नागरिकता	- भारतीय
पता	- लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा एम आर -4 रोड़ 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर
4 - प्रकाशक का नाम	- मुकेश श्रीवास
नागरिकता	- भारतीय
पता	- लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा एम आर -4 रोड़ 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर
5 - संपादक का नाम	- अतुल कुमार बंदेवार
नागरिकता	- भारतीय
पता	- जबलपुर
6 - उन व्यक्तियों के नाम व पाते जो समाचार पत्र के स्वामी स्वत्वाधिकारी हो तथा समस्त पूँजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साँझेदार या हिस्से दार हो,	- मुकेश श्रीवास - स्वत्वाधिकारी - रेवांचल टाईम्स प्रकाशन

मैं मुकेश श्रीवास एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी जानकारी अधिकृत जानकारी एंव विस्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

दिनांक 02 मार्च 2025

हस्ताक्षर
(मुकेश श्रीवास)
प्रकाशक

रेत–डोलोमाइट की लूट से पर्यावरण पर खतरा, कानून बेअसर

खनिज विभाग की मिलीभगत से अवैध खनन का खेल?

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिला में अवैध खनन का मुद्दा अब गंभीर रूप ले चुका है। रेत, मुरूम और डोलोमाइट का बेलगाम उत्खनन न केवल शासन को करोड़ों के राजस्व से वंचित कर रहा है, बल्कि पर्यावरण और वन्यजीवों के अस्तित्व पर भी खतरा बनता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि खनिज विभाग की कार्यप्रणाली खुद सवालों के घेरे में है और अधिकारियों की कथित मिलीभगत की चर्चाएं आम हो गई हैं।

कान्हा क्षेत्र पर खनन का दबाव

कान्हा टाइगर रिजर्व के आसपास डोलोमाइट खनन से वन्यजीव कॉरिडोर प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार

जंगलों की कटाई बढ़ रही है, प्राकृतिक जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं, जैव विविधता पर खतरा मंडरा रहा है, बताया जाता है कि 2000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र खनन से प्रभावित हो चुका है।

नर्मदा सहित नदियों का सीना छलनी

नर्मदा नदी और अन्य नदी-नालों से रातों-रात रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है

रेत से भरे ट्रक निकलते हैं, लेकिन जांच टीम कभी नहीं पहुंचती।ह्व इससे जलस्तर गिर रहा है, तटों का क्षरण बढ़ रहा है। भविष्य में जल संकट की आशंका गहरा रही है।

कानून सख्त, कार्रवाई कमजोर

माइंस एंड मिनरल्स एक्ट 1957 में अवैध खनन पर कड़ी सजा का

प्रावधान है, इसके बावजूद लाइसेंस की आड़ में अनियमित उत्खनन जारी है। ग्राम सभाओं द्वारा दर्ज आपत्तियों पर भी कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक उदासीनता को दशार्ता है।

पुराना सर्वे ठंडे बस्ते में

वर्ष 2013 में तत्कालीन कलेक्टर स्वाति मीना द्वारा डोलोमाइट माइंस का सर्वे कराने के आदेश दिए गए थे, लेकिन उसके बाद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा अवैध खनन का मामला देश में अवैध रेत खनन पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है और राज्यों से रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा।

पत्रकारों पर कार्रवाई, माफिया बेखौफ

पड़ोसी जिलों में अवैध खनन उजागर करने वाले पत्रकारों पर केस दर्ज होने की घटनाएं सामने आने के बाद मंडला में भी सवाल उठ रहे हैं– क्या खनन माफिया पर कार्रवाई की बजाय आवाज उठाने वालों को दबाया जा रहा है?

विभाग कटघरे में

खनिज विभाग से सीधे सवाल, अवैध उत्खनन वाले क्षेत्रों की आखिरी संयुक्त जांच कब हुई? रात में निकलने वाले रेत के ट्रकों पर कार्रवाई क्यों नहीं?, ग्राम सभाओं की आपत्तियों को क्यों नजरअंदाज किया गया?, लाइसेंसधारकों की आड़ में हो रहे अवैध खनन पर क्या कार्रवाई हुई?

जिला प्रशासन से सवाल

खनिज विभाग की स्वतंत्र जांच कब होगी? पर्यावरणीय क्षति की भरपाई कौन करेगा? राजस्व चोरी की जिम्मेदारी तय होगी या नहीं?

सरकार को करोड़ों का नुकसान

मुरूम और रेत के अवैध उत्खनन से जहां निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहीं सरकारी खजाने को भारी राजस्व हानि हो रही है। **विशेषज्ञों की चेतावनी**– यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो, मंडला का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ जाएगा, वन्यजीव कॉरिडोर खत्म हो सकते हैं, जल संकट गहरा सकता है।

जनता की मांग

खनिज विभाग की उच्च स्तरीय जांच, अवैध खनन पर तत्काल रोक, संयुक्त टीम से जमीनी सर्वे।

दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई

(रेवांचल टाईम्स की यह विशेष खोजी रिपोर्ट–अगले अंक में अवैध खनन के हॉटस्पॉट, परिवहन मार्ग और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर बड़ा खुलासा किया जाएगा।)

मंडला की बदहाली पर बड़ा सवाल: जिम्मेदार मौन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला।मंडला जिला में विकास के दावों की पोल अब खुलकर सामने आ रही है। जमीनी हकीकत यह है कि योजनाएं कागजों में पूरी हो रही हैं और जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि हर विभाग कटघरे में खड़ा नजर आ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं।

शिक्षा विभाग कटघरे में

सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था लगातार गिर रही, मध्यान्ह भोजन की राशि समय पर नहीं, शिक्षक मुख्यालय से नदारद, प्राइवेट स्कूलों की मनमानी जारी,सवाल विधायक और शिक्षा अधिकारियों से: सरकारी स्कूलों से बच्चों का भविष्य क्यों अंधेरे में धकेला जा रहा है?

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही

अस्पतालों में डॉक्टर और सुविधाओं का अभाव, झोलाछाप डॉक्टरों का नेटवर्क सक्रिय, सरकारी डॉक्टर निजी प्रैक्टिस में व्यस्त, आयुर्वेदिक केंद्रों की जांच नहीं।

सवाल स्वास्थ्य विभाग से:

क्या गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल सिर्फ रेफर सेंटर बनकर रह गए हैं? पंचायत एवं ग्रामीण विकास–मनमानी चरम पर, पंचायत कार्यालय नियमित नहीं खुलते, सचिव, रोजगार सहायक मुख्यालय से गायब, पंचायत की सामग्री निजी घरों में, ग्राम सभा के प्रस्तावों पर अमल नहीं।

पेसा एक्ट ठंडे बस्ते में

सवाल जिला पंचायत और जनपद सीईओ से: जब पंचायतें ही बेलगाम हैं तो ग्रामीण विकास कैसे होगा? स्वच्छता और जल जीवन मिशन की हकीकत, स्वच्छ भारत मिशन में भारी धांधली के आरोप कागजों में ODF, जमीनी स्तर पर खुले में शौच, जल जीवन मिशन अधूरा, गंदगी से बीमारी का खतरा

सवाल प्रशासन से– क्या सिर्फ पोर्टल पर फीडिंग से जिले को स्वच्छ घोषित कर दिया जाएगा? प्रधानमंत्री आवास और निर्माण कार्यों में गड़बड़ी, प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताएं, घटिया निर्माण कार्य, गुणवत्ता पर कोई मॉनिटरिंग नहीं,

सवाल संबंधित विभाग से:

गरीबों के घर भी भ्रष्टाचार की भेंट क्यों चढ़ रहे हैं? अवैध कारोबार और खनिज लूट ,अवैध स्टोन क्रेशर संचालित, खनिज संपदा का दोहन, सट्टा, जुआ, अवैध शराब का कारोबार नर्मदा घाट बदहाल ,सवाल खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग से: क्या यह सब बिना संरक्षण के संभव है?

जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन फेल– सीएम हेल्पलाइन,आवेदनों का निराकरण नहीं, संकल्प से समाधानह्व के आवेदन लंबित सवाल कलेक्टर से: जनसुनवाई सिर्फ औपचारिकता बनकर क्यों रह गई है?

सीधे जनप्रतिनिधियों से सवाल

सांसद और विधायक बताएं–जिले के लिए आपका रोडमैप क्या है? जिला पंचायत अध्यक्ष बताएं– पंचायतों में अनुशासन कब आएगा? जनपद अध्यक्ष जवाब दें–योजनाओं की मॉनिटरिंग क्यों नहीं?

जनता की चेतावनी– अब मंडला की जनता जवाब चाहती है– शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार कब? सड़क, पानी और रोजगार की व्यवस्था कब? भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कब? अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो यह जनआक्रोश बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

रीवा-शहडोल-डिंडोरी-मंडला रेल परियोजना पर बढ़ी हलचल

नई रेल लाइन पर राजनीति तेज: शहडोल सांसद सक्रिय, मंडला सांसद से संयुक्त पहल की मांग

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला।राष्ट्रीय रेल संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप मिश्रा ने शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा कर बहुप्रतीक्षित रीवा–शहडोल–डिंडोरी–मंडला नई रेल लाइन के निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

शीतकालीन सत्र से लेकर बजट सत्र तक प्रस्ताव

सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने बताया कि उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस परियोजना का प्रस्ताव सौंपा था। इसके बाद वर्तमान वित्तीय सत्र में भी उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर इस मांग को दोहराया। रेल मंत्री द्वारा मंत्रालय के अधिकारियों को प्रारंभिक सर्वे एवं व्यवहार्यता अध्ययन के निर्देश दिए जाने की बात सामने आई है। रिपोर्ट मिलने के बाद परियोजना पर आगे निर्णय होने का आश्वासन दिया गया है।

बड़ा सवाल–मंडला सांसद की भूमिका क्या?

जहां शहडोल सांसद लगातार प्रयासरत हैं, वहीं अब निगाहें मंडला लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते पर टिक गई हैं।

जनता पूछ रही है:

क्या मंडला सांसद ने इस रेल लाइन के लिए कोई ठोस पहल की? संसद में कितनी बार मुद्दा उठाया गया? रेल मंत्रालय से कब मुलाकात की गई? संयुक्त प्रतिनिधिमंडल बनाने की पहल क्यों नहीं हुई? संयुक्त दबाव से मिल सकती है स्वीकृति, श्रीमती हिमाद्री सिंह का साफ कहना है कि यदि रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, और शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह तीनों मिलकर रेल मंत्री से मुलाकात करें तो परियोजना को शीघ्र स्वीकृति मिल सकती है।

विकास की लाइफ लाइन बनेगी रेल

इस रेल लाइन से– उद्योगों को गति, युवाओं को रोजगार, विद्यार्थियों को बेहतर आवागमन मरीजों को बड़े शहरों तक पहुंच, पर्यटन को बढ़ावा, मिलने की उम्मीद है। विंध्य और महाकौशल को जोड़ने वाली यह लाइन क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है।

संघर्ष समिति का ऐलान

राष्ट्रीय रेल संघर्ष समिति ने कहा है कि वे मंडला और रीवा के सांसदों से संपर्क कर संयुक्त पहल के लिए दबाव बनाएंगे। समिति ने मंडला की जनता की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया है।

जनता का सीधा सवाल

मंडला सांसद बताएं–नई रेल लाइन के लिए अब तक क्या किया? क्या संयुक्त प्रतिनिधिमंडल बनेगा? मंडला को रेल सुविधा कब मिलेगी? वही यह मुद्दा अब क्षेत्रीय विकास और राजनीतिक जवाबदेही से जुड़ गया है। जनता को ठोस समयसीमा और कार्यवाही का इंतजार है।

बिना नंबर प्लेट वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान जारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले भर में यातायात नियमों के प्रभावी पालन एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडला पुलिस द्वारा विभिन्न थाना एवं यातायात क्षेत्रों में चेकिंग प्वाइंट स्थापित कर बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पिछले दो दिनों के दौरान अभियान चलाकर 50 से अधिक बिना नंबर प्लेट वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक करते हुए वैध नंबर प्लेट लगाने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने एवं हेलमेट पहनकर वाहन संचालन करने की सख़्त समझाइश दी गई। मंडला पुलिस द्वारा कई वाहनों में मौके पर ही नंबर प्लेट लगवाकर नियमों का पालन सुनिश्चित कराया गया, जिससे वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार की चेकिंग एवं चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। आम नागरिकों से अपील है कि वैध नंबर प्लेट के साथ एवं हेलमेट धारण कर ही वाहन संचालन करें।

बम्हनी बंजर में शराब समूह का लाइसेंस निरस्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बम्हनी बंजर समूह की शराब दुकानों का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। यह कदम शासन को देय निर्धारित राजस्व राशि जमा न करने के कारण उठाया गया है। इस समूह का संचालन जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) निवासी श्री करणजीत सिंह सलुजा द्वारा किया जा रहा था। ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर शासन को देय संपूर्ण ड्यूटी राशि जमा नहीं की गई थी। नियमों के उल्लंघन के फलस्वरूप, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के आदेश 28 फरवरी 2026 के माध्यम से समूह की चारों शराब दुकानों का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। जब तक इन दुकानों का पुर्ननिष्पादन नहीं हो जाता, तब तक इन सभी दुकानों का संचालन सीधे आबकारी विभाग द्वारा किया जाएगा।

नर्मदा झूला पुल से कूदे शख्स की मौत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला में नर्मदा नदी के झूला पुल से कूदने वाले एक शख्स की मौत हो गई। यह घटना रविवार शाम को हुई, जब शख्स ने

पुल से छलांग लगा दी। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत नदी में उतरकर शख्स को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

मृतक बड़ी खैरी का रहने वाला

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान बड़ी खैरी निवासी 48 वर्षीय राजेंद्र वनवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजन को घटना की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंपा जाएगा। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिग्विजय सिंह ने कान्हा दौरे पर भाजपा सरकार को घेरा

पर्यटन, पानी और रोजगार के मुद्दों पर उठाए सवाल; बैगा समाज से किया संवाद

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने रविवार को मंडला जिले के कान्हा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए पर्यटन, पानी और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर सवाल उठाए। सिंह ने कलाकारों, बैगा आदिवासियों और मनरेगा श्रमिकों से सीधे संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को जाना। दिग्विजय सिंह ने अपने दौरे की शुरूआत कान्हा किसली मंडला गेट स्थित 'कान्हा सरई आर्ट गैलरी' से की। यहाँ उन्होंने पत्थर और लकड़ी के मूर्तिकारों सहित अन्य लोक कलाकारों से मुलाकात की। कलाकारों की व्यथा सुनने के बाद उन्होंने कहा कि स्थानीय कला और संस्कृति को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें संरक्षण देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसमें वर्तमान सरकार विफल दिख रही है। "**पर्यटन का लाभ बाहरी लोगों को, स्थानीय युवा बेरोजगार**"–

कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रबंधन और पर्यटन नीति पर सवाल उठाते हुए दिग्विजय सिंह ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कान्हा में पर्यटन से होने वाली आय का वास्तविक लाभ यहाँ के मूल निवासी आदिवासियों और ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। गाइड, जिप्सी संचालन और बड़े रिसोर्ट्स पर बाहरी रसूखदारों का कब्जा है, जबकि स्थानीय युवा रोजगार के अवसरों से वंचित हैं। उन्होंने मांग की कि कान्हा के पर्यटन व्यवसाय में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दौरे के दौरान सिंह बैगा आदिवासियों की बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और वनाधिकार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने जिले में व्याप्त भीषण जल संकट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार के बड़े-बड़े दावों के विपरीत ग्रामीण इलाकों में लोग आज भी पीने के पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। उन्होंने इसे जनता के मौलिक अधिकारों का हनन बताया। '**मनरेगा बचाओ अभियान**' **और पंचायत कांग्रेस का गठन**– ग्राम मोचा में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद उन्होंने बोडाछपरी स्कूल ग्राउंड में 'पंचायत कांग्रेस कमेटी' का गठन किया। 'मनरेगा बचाओ अभियान' के तहत जॉब कार्ड धारियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार योजना को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करें।

संकल्प महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध

संकल्प महोत्सव 2026 : भव्यता, गरिमा और उत्कृष्ट आयोजन के साथ हुआ संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा 27 फरवरी को आयोजित संकल्प महोत्सव 2026 अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय परिसर विद्यार्थियों और स्टाफ के उत्साह, ऊर्जा एवं सांस्कृतिक रंगों से सराबोर दिखाई दिया। अभिभावकों एवं अतिथियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

शहडोल संसदीय क्षेत्र की माननीय सांसद हिमाद्री सिंह के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को लक्ष्य, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता की आधारशिला है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूपपुर हीरा सिंह श्याम ने महाविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। अनूपपुर अनुभागीय अधिकारी कमलेश पूरी द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु उठाए जा रहे कदमों की सराहना की गई। छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोकगायक सुनील मानिकपुरी ने अपनी मधुर लोकधुनों से पूरे वातावरण को रोमांचित कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे और कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार हुआ। प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर स्तुति जायसवाल की मधुर एवं ऊजार्वान प्रस्तुति ने वातावरण को सुरमय बना दिया। उनकी गायकी ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। गुदुम ग्रुप के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति से सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत परिचय दिया। उनकी ऊजार्वान प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अनुशासन ने यह सिद्ध कर दिया कि संस्थान शिक्षा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान ही जीव के भटकाव का मूल कारण : मुनि श्री प्रमाण सागर

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। नव-निर्मित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पाँचवें दिवस भावनायोग प्रणेता राष्ट्रीय संत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने भगवान के कैवल्यज्ञान उपरांत समवसरण की गणधर पीठिका से अत्यंत मार्मिक एवं आध्यात्मिक उद्बोधन प्रदान किया। मुनि श्री ने कहा इस अनादि संसार में जीव चारों गतियों और 84 लाख योनियों में निरंतर भटक रहा है,उसके इस भटकाव का मूल कारण उसके अंतर में पलने वाला मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान है। उन्होंने नरक गति का वर्णन करते हुए कहा कि वहाँ जीव को असहनीय यातनाएँ सहनी पड़ती हैं, कभी उसे कड़ाही में डाला जाता है, तो कभी तलवार की तीक्ष्ण धार का सामना करना पड़ता है; मानो हजारों बिच्छुओं ने एक साथ डंक मार दिए हों। नरक से निकलकर जीव कभी एक इंद्रिय, कभी द्वि-इंद्रिय, फिर तिर्यंच गति में भ्रमण करता हुआ मनुष्य जन्म प्राप्त करता है। किंतु मनुष्य जीवन में भी वह कभी भिखारी बनकर कष्ट भोगता है।मुनि श्री ने स्पष्ट कहा कि मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान आत्मा के प्रबल शत्रु हैं। इन्हीं के कारण जीव अपने आत्मस्वरूप से दूर होकर पंचेंद्रिय विषयों तथा क्रोध, मान, माया, लोभ जैसी कषायों में फँसकर पाप और दुर्गतियों का भागी बनता है। उन्होंने कहा जब तक जीव अपने आत्मस्वरूप को नहीं समझेगा, तब तक उसे सम्यक दर्शन की प्राप्ति नहीं हो सकती। भव-बन्धन से मुक्ति का एकमात्र उपाय सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र रूपी रत्नत्रय की पूर्णता है। दर्शन मूलो धम्मो का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सम्यक दर्शन धर्म का मूल आधार है। बिना सम्यक्त्व के न ज्ञान शुद्ध होता है और न चरित्र। भगवान महावीर द्वारह्न का ऐतिहासिक शिलान्यास पंचकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर एक और ऐतिहासिक क्षण जुड़ा जब प्रातःकाल पूज्य मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ससंघ की मंगलमयी उपस्थिति में भगवान महावीर द्वार का विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ।मुनि श्री ने कहा जब कोई नगर में भगवान के नाम के साथ प्रवेश करता है तो उसके सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं। ह्यभगवान महावीर द्वारह्न केवल निर्माण नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का प्रतीक बनेगा।

जलाएं कंडे की होली युवा कर रहे हैं जागरूक

कंडे की होली से लकड़ी और पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश लेकर निकले युवा

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। पर्यावरण के संरक्षण और गोवर्धन के लिए जरूरी है हम सब मिलकर काम करें इसके लिए आने वाले त्योहार होली पर हम गाय के गोबर से बने हुए कंडो की होली जलाकर न केवल पर्यावरण को बचाने का काम कर सकते हैं बल्कि हम गौशालाओं के विकास के लिए भी एक कदम आगे बढ़ा सकते हैं। कंडो की होली के यहां लकड़ी की बचत होगी वहीं पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। एकत्र कर रहे हैं कंडा कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी ने बताया कि युवा टीम उमरिया के सदसयो के द्वारा इस वर्ष भी लकड़ी की जगह कंडो से होलिका दहन किया जाएगा। इसके लिए युवा टीम उमरिया के सदस्य गांव-गांव घर-घर जाकर कंडे इकट्ठा करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि होलिका जलाते समय हम जहां अति उत्साह में आकर कई क्विंटल लकड़ी जला देते हैं। तो कहीं कहीं तो हरे भरे पेड़ काटकर भी होली में रख देते हैं। जिससे प्रकृति का नुकसान होता है। उन्होंने बताया होलिका दहन पर उपले व गोकाष्ठ जलाने के दौरान उसमें कपूर और इलायची जलाया जाए तो इससे वातावरण में शुद्ध होगा और स्वाइन फ्लू के कीटाणु भी मर जाएंगे।हम जागरूक नागरिक की भूमिका का निर्वहन करते हुए आओ जलाएं कंडो की होली अभियान को गति दे और इसका सहयोगी बने। युवाओं ने किया तय युवा टीम उमरिया के सदस्यों ने इस वर्ष तय किया है कि उमरिया जिले के कई विभिन्न स्थानों में इस वर्ष कंडों की होली जलाने में अपनी सहभागिता निभाएंगे। युवाओं का कहना है कि इस बार लकड़ी की जगह हम आसपास उगी झाड़ियों को शामिल करेंगे और कंडो की संख्या बढ़ाएंगे। 100 से भी अधिक युवा आयोजन की तैयारी में जुटे हुए है। युवाओं ने आवाहन किया आइए अबकी होली में यह शपथ लें कि लकड़ियों को न जलाएंगे न जलाने देंगे। प्राकृतिक रूप से होलिका के लिए गोबर के कंडों का प्रयोग करेंगे। इससे पर्यावरण भी बेहतर रहेगा और गोशालाएं भी समृद्ध होंगी।

यात्री को उलझाकर जेबकतरों ने जेब से उड़ा दिए 30 हजार, एक युवक गिरफ्तार, मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के ब्यौहारी बस स्टैंड से रीवा जा रही दादू एंड सांस कंपनी की बस में एक व्यापारी के साथ फिल्मी अंदाज में जेबकतरी की घटना सामने आई है। ह्यसीट में पेन गिर गया हैह्न का बहाना बनाकर बदमाशों ने यात्री को उलझाया और उसकी जेब से 30 हजार रुपए चोरी कर लिए। घटना के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने एक संदेही युवक को पकड़ लिया, लेकिन तलाशी में रकम बरामद नहीं हो सकी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के मोहनी गांव निवासी शिव नारायण साकेत (40) अपनी पत्नी के साथ रीवा माल खरीदने जा रहे थे। वे जयसिंहनगर में जूते-चप्पल की छोटी दुकान चलाते हैं। बस स्टैंड से बस रवाना होने के कुछ देर बाद दो युवक उनकी सीट के पास पहुंचे। एक युवक ने कहा कि उसका पेन सीट में गिर गया है और सीट से उठने के लिए दबाव बनाने लगा। कुछ देर की हलचल के बाद दोनों युवक आगे बढ़ गए। इसी दौरान शिव नारायण की पत्नी ने रुपए चेक करने को कहा। जेब टटोलने पर 30 हजार रुपए की गड्डी गायब मिली। तब तक बस चुंगी नाका के पास पहुंच चुकी थी और एक संदेही युवक बस से उतर चुका था। हंगामा होने पर अन्य यात्रियों ने एक युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। थाने में पकड़े गए युवक की तलाशी ली गई, लेकिन चोरी की रकम बरामद नहीं हुई। आशंका जताई जा रही है कि रकम पहले ही उसके साथी को सौंप दी गई थी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच जारी है।

जिला स्तरीय समीक्षा एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 11 मार्च को

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 कि जिला स्तरीय समीक्षा एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन 11 मार्च 2026 को अपरान्ह क्रमशः 4 बजे एवं 5 बजे कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन कि अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे किया गया है । बैठक में जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की सितम्बर 2025 तिमाही बैठक का कार्यवाही विवरण,जमा एवं अग्रिम अनुपात तथा बैंकिंग पैरामीटर की समीक्षा , एनुअल क्रेडिट प्लान वर्ष 2026 -27 की समीक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विस्तृत चर्चा।

पुलिस आरक्षक पर धक्का मुक्की कर किया हमला, फाड़ी वर्दी, मामला दर्ज, आरोपी फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिला मुख्यालय में ड्यूटी से लौट रहे एक पुलिस आरक्षक पर हमला कर दिया गया। एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को बचाने के प्रयास में कांस्टेबल मुकेश सिंह से मारपीट की गई और उनकी वर्दी फाड़ दी गई। पुलिस ने आरोपी विमल लाड़िया के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, आरक्षक मुकेश सिंह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि कुछ लोग एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति के साथ मारपीट कर रहे हैं। मानवीयता दिखाते हुए आरक्षक मुकेश सिंह ने बीच-बचाव कर उस व्यक्ति को बचाने का प्रयास किया, लेकिन यह उन्हें ही महंगा पड़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब आरक्षक मुकेश सिंह ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो वे उनसे ही उलझ गए। मुख्य आरोपी, जिसकी पहचान विमल लाड़िया के रूप में हुई है, ने आरक्षक पर हमला कर दिया। दोनों के बीच हुई धक्का-मुक्की में आरोपी ने आरक्षक की वर्दी फाड़ दी। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घायल आरक्षक मुकेश सिंह ने थाने पहुंचकर आरोपी विमल लाड़िया के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विश्वविद्यालय में होली जश्न के बीच मधुमक्खियों का हमला, छात्रों के दो गुटों में झड़प, वीडियो भी वायरल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। शहडोल के पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय में होली का जश्न उस वक्त अफरा-तफरी में बदल गया, जब रंग-गुलाल के बीच डीजे की धुनों पर झूम रहे छात्र-छात्राओं पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोल दिया। जान बचाने के लिए छात्र परिसर में इधर-उधर भागते नजर आए। वहीं इसी दौरान किसी बात को लेकर छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। होली के जश्न के बीच हंगामे और भगदड़ का यह पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आए दिन किसी न किसी वजह से विवादों में रहने वाला पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय में इस बार मामला होली के जश्न से जुड़ा है, जहां रंग-गुलाल और डीजे की धुनों पर थिरकते छात्र-छात्राओं के बीच अचानक अफरा-तफरी मच गई। विश्वविद्यालय परिसर में होली का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा था। छात्र-छात्राएं एक-दूसरे को रंग लगाकर और फिल्मी गानों पर डांस कर जश्न में डूबे हुए थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोल दिया। मधुमक्खियों के हमले से परिसर में भगदड़ जैसे हालात बन गए। जान बचाने के लिए छात्र इधर-उधर भागते नजर आए। कई छात्र-छात्राएं घबराकर जमीन पर गिरते-पड़ते भी दिखे। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी गंभीर रूप से घायल होने की खबर सामने नहीं आई है। मामला यहीं नहीं थमा, होली खेलने के दौरान किसी बात को लेकर छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते कहासुनी धक्का-मुक्की में बदल गई, कुछ देर तक परिसर में तनाव का माहौल बना रहा। बाद में अन्य छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन की दखल के बाद स्थिति को संभाला गया। वायरल वीडियो के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है और लोग प्रशासनिक लापरवाही पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि किसी गंभीर घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कैंपस की सुरक्षा और आयोजन प्रबंधन को लेकर जवाबदेही तय होना अब जरूरी माना जा रहा है।

फाईल फोटो

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

शहडोल। जिले के केशवाही पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम पकरिहा में दबिश दी, जहां महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक सीजी-31-सी 2545 ट्रॉली में रेत लोड कर परिवहन करते पाया गया। जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक पारस केवट (25) पिता मिठाई लाल केवट तथा वाहन स्वामी विष्णुकांत शुक्ला, दोनों निवासी ग्राम पकरिहा चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल, के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आरकेटीसी कंपनी का एक और कारनामा कबाड़ की चोरी में आरकेटीसी के हाथ हुए काले

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के धनपुरी एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत अमलाई ओसीएम में ओबी उत्खनन का कार्य कर रही निजी कंपनी आरकेटीसी का और कारनामा सामने आया है, जिससे एसईसीएल प्रबंधन के जिम्मेदार भी शर्मसार हो जाएंगे। अमलाई ओसीएम अंतर्गत मैगजीन वॉच टावर पीछे वाली सड़क से कबाड़ की बड़ी मात्रा पकड़ी गई, पुलिस अनुसंधानों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग 10 क्विंटल कबाड़ फ्छळउ के तथाकथित कमीर्चारियों और मातहतों मनोज महोबिया और श्रीकांत दहिया के संरक्षण में चोरी छुपे गाड़ी क्रमांक ङ 30 में जिसका चालक सुभाष बर्मन था, उसकी गाड़ी में अवैध कबाड़ लोड करवाया गया और उसे कहा गया की इसे पीछे पुलिया के पास मैगजीन रोड में डंप कर देना बाकी वहां से स्थानीय कबाड़ियों के गुर्गे उक्त माल को गायब कर देंगे, इसकी गुप्त जानकारी जब पुलिस प्रशासन धनपुरी को हुई तब थाना धनपुरी से उपनिरीक्षक नागेन्द्र प्रताप सिंह सहायक उपनिरीक्षक विनोद तिवारी जब मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा की कबाड़ की एक वृहद मात्रा मैगजीन रोड पर अपने आकाओं का इंतजार कर रही है। जानकारी लगते ही वहां आरकेटीसी प्रबंधन के कुछ कर्मी भी पहुंचे जहां पर उन्होंने उक्त कबाड़ को देखा और फ्छळउ के ही कई कर्मियों ने स्थानीय पुलिस के सामने मनोज महोबिया और श्रीकांत दहिया का नाम लिया, जिससे यह बात स्पष्ट हो जाती है की उक्त पुलिस द्वारा जप्त कबाड़ फ्छळउ के मातहतों और करीबियों द्वारा ही संबंधित स्थल तक पहुंचवाया गया। धनपुरी पुलिस ने कबाड़ को अपनी अभिरक्षा में लेकर विवेचना शुरू कर दी है उन्होंने कहा की इसमें कंपनी के कर्मियों का नाम सामने आया है, अगर जांच उपरांत यह पाया गया की इसमें कंपनी के कर्मियों का हाथ हैं तो विधि अनुरूप कर्मियों और RKTC प्रबंधन पर भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी ।

अमलाई ओपन कास्ट माइंस अंतर्गत ओबी उत्खनन हेतु कार्यरत निजी कंपनी लगातार सुर्खियों में हैं और सुर्खियां भी सिर्फ नकारात्मक पहले क्षेत्र के कुछ दलालों के हाथ में नियम के विपरीत जाकर लाइजनिंग का कार्य तिवारी बंधुओं को सौंपना राज तिवारी और राकेश तिवारी की युगल जोड़ी लगातार कोल इंडिया के नियमो के साथ साथ रेड्डी और शिवदत्त के संरक्षण में श्रम कानूनों का घोर उल्लंघन कर रही है, साथ ही कर्मियों का शोषण भी कर रही है, कंपनी में राज राकेश अभिषेक देवी नरेंद्र और रमन्ना के गठजोड़ से लगातार अनियमितताएं पनपती जा रही है जो की एसईसीएल प्रबंधन सोहागपुर क्षेत्र के लिए एक काला अध्याय है, आए दिन कोई ना कोई लापरवाही मजदूरों का शोषण कोल इंडिया द्वारा सुनिश्चित किए गए नियमों का उल्लंघन रडढ का उल्लंघन डीजीएमस के सुरक्षा नियमो की धज्जियां उड़ाना मजदूरों की गाढ़ी कमाई पर दलालों का डाका आम बात हो कर रह चुकी है, अगर समय रहते आरकेटीसी की अनियमित और स्वयंभू कार्यशैली पर एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंकुश नहीं लगाती तो आने वाले समय में पूर्व में हुई कुशवाहा नामक श्रमिक की मौत से भी ज्यादा बड़े हादसे अमलाई ओपन कास्ट माइंस क्षेत्र अंतर्गत होने की प्रबल संभावना नजर आती हुई दिखाई दे रही है।

संपादकीय

किताब पर सुप्रीम पाबंदी

सर्वोच्च अदालत ने एक किताब पर पूर्ण प्रतिबंध (ब्लैंकेट बैन) का आदेश दिया है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय संकलित था। किताब 8वीं कक्षा में सामाजिक विज्ञान के तौर पर पढ़ाई जानी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने छापी थी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत समेत अन्य न्यायाधीश भी बहुत कुपित हुए और इस अध्याय को शामिल करने को गहरी साजिश करार दिया। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि एनसीईआरटी ने गोली चला दी है और न्यायपालिका लहूलुहान है। यह महज एक गलती नहीं है, बल्कि न्यायपालिका की गरिमा गिराने और युवाओं के भीतर जहर भरने की एक सोची-समझी साजिश लगती है। संस्था के निदेशक ने गलती मानने के बजाय लिखित में इन विवादित अंशों का बचाव किया है। यह और भी गंभीर है। हम पता लगाएंगे। सिर तो कटेंगे, हम गहरी जांच करेंगे। हम न्यायपालिका सरीखे संवैधानिक संस्थान को इस तरह बदनाम नहीं होने देंगे। न्यायपालिका पर आज भी करोड़ों लोगों का विश्वास, भरोसा है। उसे टूटने कैसे दिया जा सकता है? इसी के साथ न्यायिक पीठ ने किताब के फिजिकल या डिजिटल, हार्ड या सॉफ्ट और वेब पोर्टल आदि सभी प्रारूपों और संस्करणों को जब्त करने का आदेश दिया है। किताब की जो 38 प्रतियां बिक चुकी हैं, उन्हें भी हासिल कर जब्त किया जाए। न्यायिक पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी और केंद्रीय स्कूल शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कराए हैं। वे 11 मार्च को अदालत में मौजूद रहेंगे। सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा है कि क्यों न निदेशक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए? अदालत ने जो आदेश दिया है, उसकी अनुपालना रपट दो सप्ताह में जमा करानी होगी। सामाजिक विज्ञान की ऐसी किताब और उसमें न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की खबर सामने आई, तो कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गुस्सा जताते हुए सवाल किया-यह हम क्या पढ़ा रहे हैं? कौन देख रहा है यह सब? ऐसी सामग्री का अनुमोदन कौन कर रहा है? किसी को तो जवाबदेह ठहराना चाहिए। प्रधानमंत्री की यह सख्त टिप्पणी, हालांकि, सूत्रों के हवाले से सार्वजनिक हुई है। बहरहाल किताब के विवादित अध्याय में लिखा गया है कि सर्वोच्च अदालत में करीब 81,000 मुकदमे लंबित हैं, जबकि देश के उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा करीब 62.40 लाख है। 2017-21 के दौरान भ्रष्टाचार की करीब 1600 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रधान न्यायाधीश के दफ्तर को जो शिकायतें मिलीं, वे अलग हैं। 2016-25 के दौरान न्यायाधीशों के खिलाफ 8639 शिकायतें मिलीं, यह कानून मंत्रालय ने संसद में खुलासा किया है। क्या ये शिकायतें ही भ्रष्टाचार की प्रमाण हैं अथवा यह व्यवस्था का गंभीर सवाल है? क्या शिकायतों के आधार पर ही मान लिया जाए कि समूची न्यायपालिका भ्रष्ट है और गरीब, जरूरतमंद आदमी के लिए न्याय मिलना बहुत मुश्किल है? दरअसल आजकल संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ संस्थानगत हमले किए जा रहे हैं और यह एक नया फैशन बन गया है। विवादित किताब के लिए क्या लेखक ही खलनायक हैं? ऐसा नहीं है, क्योंकि एनसीईआरटी में कई स्तरों पर पाठ्यक्रम और विषय-वस्तु तय किए जाते हैं। विशेषज्ञ और समितियां होती हैं। तो फिर लेखकों को ही काली सूची में डालने का औचित्य समझ के परे है। एनसीईआरटी में पाठ्य पुस्तकों को लेकर विवाद होते रहे हैं। यह सरकार की वैचारिक दखलअंदाजी हो सकती है या कुछ और, लेकिन विवाद सामने आते रहे हैं। मसलन-मुगल इतिहास को 12वीं की किताब से हटाया गया। गांधी की हत्या और आरएसएस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को हटाया गया। किताबों में अब 1984, 1992 और 2002 के दंगों के उल्लेख नहीं हैं। संविधान की प्रस्तावना तक पढ? को छात्रों को वंचित किया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ़्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए ह्यविदियाल पयानमह्न योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दशार्ता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई।वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'स्टेट फाइनेंस' रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10% से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर 'रेवड़ियां' बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम 'रेवड़ियां' बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

राशिफल

मेष राशि :- मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम, स्त्री वर्ग से क्लेश होगा।

वृष राशि :- धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा प्राप्त होगी ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, व्यवसाय क्षमता में वृद्धि होगी तथा कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- सामाजिक कार्य में प्रतिष्ठा, कार्य कुशलता से संतोष तथा रुके कार्य बनेंगे।

सिंह राशि :- परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, व्यवसाय गति उत्तम होगी।

कन्या राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा।

तुला राशि :- दैनिक व्यवसाय गति उत्तम, कार्यगति उत्तम बनेगी, चिन्तायें कम होंगी।

वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता के कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :- स्थिति अनियंत्रित रहेगी, सफलता के लिये परिश्रम करें, कार्य नियंत्रण से लाभ होगा।

मकर राशि :- मानसिक खिन्नता तथा स्वाभाव में उद्विघ्नता अवश्य होगी, कार्य करें।

कुंभ राशि :- कार्य योजना फलीभूत होगी, विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, कार्य समय पर करें।

मीन राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

होली रंगों व उल्लास का पर्व

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहां एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी, सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद, वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकडि?ों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिका-पूजन किया जाता है, फिर उसमें आग लगाई जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

इतिहास प्रचलित मान्यता के अनुसार यह त्योहार हिरण्यकशिपु की बहन होलिका के मारे जाने की स्मृति में मनाया जाता है। पुराणों में वर्णित है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका वरदान के प्रभाव से नित्य अग्नि स्नान करती थी और जलती नहीं थी। हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका से प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि स्नान करने को कहा। उसने समझा कि ऐसा करने से प्रह्लाद अग्नि में जल जाएगा तथा होलिका बच जाएगी। होलिका ने ऐसा ही किया, किंतु होलिका जल गई और प्रह्लाद बच गए। होलिका को यह स्मरण ही नहीं रहा कि अग्नि स्नान वह अकेले ही कर सकती है। तभी से इस त्योहार के मनाने की प्रथा चल पड़ी।

होली और राधा-कृष्ण की कथा

भगवान श्रीकृष्ण तो सांवले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गौर वर्ण की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने चल पड़े। यह प्रेममयी शरारत शीघ्र ही लोगों में प्रचलित हो गई तथा होली की परंपरा के रूप में स्थापित हुई। इसी ऋतु में लोग राधा व कृष्ण के चित्रों को सजाकर सडकों पर घूमते हैं। मथुरा की होली का विशेष महत्त्व है क्योंकि मथुरा में ही कृष्ण का जन्म हुआ था।

होलिका दहन

होलिका दहन पूर्ण चंद्रमा (फाल्गुन पूर्णिमा) के दिन ही प्रारंभ होता है। इस दिन सायंकाल को होली जलाई जाती है। इसके एक माह पूर्व अर्थात माघ पूर्णिमा को एरंड या गूलर वृक्ष की टहनी को गांव के बाहर किसी स्थान पर गाड़ दिया जाता है और उस पर लकडि?ां, सूखे उपले, खर-पतवार आदि चारों ओर से एकत्र किया जाता है और फाल्गुन पूर्णिमा की रात या सायंकाल इसे जलाया जाता है। परंपरा के अनुसार सभी लोग अलाव के चारों ओर एकत्रित होते हैं। इसी अलाव को होली कहा जाता है। होली की अग्नि में सूखी पत्तियां, टहनियां व सूखी लकडि?ां डाली जाती हैं तथा लोग इसी अग्नि के चारों ओर नृत्य व संगीत का आनंद लेते हैं।

होली की प्राचीन कथाएं

एक कहानी यह भी है कि कंस के निर्देश पर जब राक्षसी पूतना ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए उनको विषपूर्ण दुग्धपान कराना शुरू किया तो श्रीकृष्ण ने दूध पीते-पीते उसे ही मार डाला। कहते हैं कि उसका शरीर भी लुप्त हो गया तो गांव वालों ने पूतना का पुतला बना कर दहन किया और खुशियां मनाई। तभी से मथुरा में होली मनाने की परंपरा है। एक अन्य मुख्य धारणा है कि हिमालय पुत्री पार्वती भगवान शिव से विवाह करना चाहती थीं। चूंकि शंकर जी तपस्या में लीन थे, इसलिए कामदेव पार्वती की मदद के लिए आए। कामदेव ने अपना प्रेमबाण चलाया जिससे भगवान शिव की तपस्या भंग हो गई। शिवशंकर ने क्रोध में आकर अपना तीसरा नेत्र खोल दिया जिससे भगवान शिव की क्रोधाग्नि में जलकर कामदेव भस्म हो गए। फिर शंकर जी की नजर पार्वती जी पर गई। शिवजी ने पार्वती जी को अपनी पत्नी बना लिया और शिव जी को पति के रूप में पाने की पार्वती जी की आराधना सफल हो गई। होली की अग्नि में वासनात्मक आकर्षण को प्रतीकात्मक रूप से जलाकर सच्चे प्रेम की विजय के रूप में यह त्योहार विजयोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मनुस्मृति में इसी दिन मनु के जन्म का उल्लेख है। कहा जाता है कि मनु ही इस पृथ्वी पर आने वाले सर्वप्रथम मानव थे। इसी दिन नर-नारायण के जन्म का भी वर्णन है जिन्हें भगवान विष्णु का चौथा अवतार माना जाता है। सतयुग में भविष्योतरापूरन नगर में छोटे से लेकर बड़ों को सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां लग गईं। वहां के लोग इसे ह्युंधा नाम की राक्षसी का प्रभाव मान रहे थे। इससे रक्षा के लिए वे लोग आग के पास रहते थे। सामान्य तौर पर मौसम परिवर्तन के समय लोगों को इस तरह की बीमारियां हो जाती हैं, जिसमें अग्नि राहत पहुंचाती है। शामी का पेड़ जिसे अग्नि-शक्ति का प्रतीक माना गया था, उसे जलाया गया और अगले दिन सत्ययुगीन राजा रघु ने होली मनाई। इस तरह हम देखते हैं कि होली विभिन्न युगों में तरह-तरह से और अनेक नामों से मनाई गई और आज भी मनाई जा रही है। इस तरह कह सकते हैं कि असत्य पर सत्य की या बुराई पर अच्छाई की जीत की खुशी के रूप में होली मनाई जाती है। इसके रंगों में रंग कर हम तमाम खुशियों को आत्मसात कर लेते हैं।

स्वादिष्ट व्यंजन

मिष्ठान इस पर्व की विशेषता है। उत्तर भारत में आप गुझिया का आनंद ले सकते हैं व पश्चिम में महाराष्ट्र में पूरनपोली का। कई जगह ठंडाई भी बनाई जाती है, परंतु इस मिश्रण से सावधान ही रहना चाहिए क्योंकि यह पेय होली पर प्रायः सभी जगह बनाया व वितरित किया जाता है। इसका नशा शीघ्र उतरता नहीं और भूख बढ़ती ही जाती है। इसके पीने से दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

प्रेम का त्योहार

होली बसंत व प्रेम-प्रणव का पर्व है तथा धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। यह रंगों का, हास-परिहास का भी पर्व है। यह वह त्योहार है जिसमें लोग ह्यक्या करना हैह्न तथा ह्यक्या नहीं करनाह्न के जाल से अलग होकर स्वयं को स्वतंत्र महसूस करते हैं। यह वह पर्व है जिसमें आप पूर्ण रूप से स्वच्छंद हो अपनी पसंद का कार्य करते हैं, चाहे यह किसी को छेड?ा हो या अजनबी के साथ भी थोड़ी शरारत करनी हो। इन सबका सर्वोत्तम रूप यह है कि सभी कटुता, क्रोध व ह्यबुरा न मानो होली हैह्न की ऊंची ध्वनि में डूबकर घुल-मिल जाते हैं। ह्यबुरा न मानो होली हैह्न की करतल ध्वनि होली की लंबी परंपरा का अभिन्न अंग है।

दाऊजी का हुरंगा मथुरा का उत्सव

दाऊजी का हुरंगा एक प्रसिद्ध उत्सव है जो बलदेव, मथुरा, उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध दाऊजी मंदिर में आयोजित होता है। यह उत्सव होली के बाद मनाया जाता है। यहां होली खेलने वाले पुरुष हुरियारे तथा महिलाएं हुरियारिन कही जाती हैं।

आयोजन स्थल : दाऊजी का हुरंगा मथुरा के प्रसिद्ध ग्राम बलदेव में स्थित दाऊजी मंदिर में आयोजित होता है। इसमें देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु शामिल होते हैं। शेषनाग के अवतार कहे जाने वाले श्रीकृष्ण के बड़े भाई दाऊजी (बलराम) के सान्निध्य में होने वाला हुरंगा यहां का अद्वितीय पर्व है। हुरंगा की शुरूआत दोपहर बारह बजे से होती है।

ग्वाले तथा हुरियारिनें : ग्वालों का समूह अपने नायक बलराम को हुरंगा खेलने का आमंत्रण देता है। इसके बाद मंदिर में हुरंगा अपने रूप को धारण करता है। गोपों का समूह हुरियारिनों पर रंग की बरसात करता है जबकि हुरियारिन गोप समूह के वस्त्रों को फाडकर कोड़े बनाती हैं और फिर कोड़ों की बरसात गोप समूह पर करती हैं। इस मौके पर हजारों श्रद्धालु आनंद की तरंग में मस्त होकर अबीर-गुलाल उड़ाते हैं। हुरंगा में कल्याण देव वंशज पंडा समाज ही शामिल होता है। पंडा समाज हुरंगा की महिमा का वर्णन करते हुए इस अवसर पर गायन करता है- नारायण यह नैन सुख मुख सौं कहयो न जाए। हालांकि यहां मंदिर में वसंत पंचमी से ही धमार गायन के बीच अबीर-गुलाल खेलने की शुरूआत हो जाती है।

रंगों का प्रयोग : दाऊजी की होरी (होली) जितनी प्रसिद्ध है, उससे कहीं ज्यादा प्रसिद्ध दाऊजी का हुरंगा है, जो धुलेंडी के अगले दिन दाऊजी महाराज के मंदिर प्रांगण में खेला जाता है। इस हुरंगा की खास बात होती है, इसमें प्रयोग होने वाले रंग, जो टेसू के फूलों को पानी की होदों में भिगोकर तैयार किया जाता है। मंदिर की छत पर गुलाल से भरी बोरियां रखी होती हैं जिनके उड़ाने से मंदिर प्रांगण और दाऊजी का वातावरण होरीमय हो जाता है। इसके अलावा बरसाना में लट्ठमार होली भी खेली जाती है। इस दिन लु महिलाओं के हाथ में रहता है और नंदगांव के पुरुषों (गोप), जो राधा के मंदिर लाडलीजी पर झंडा फहराने की कोशिश करते हैं, उन्हें महिलाओं के लु से बचना होता है। कहते हैं इस दिन सभी महिलाओं में राधा की आत्मा बसती है और पुरुष भी हंस-हंस कर लाठियां खाते हैं। आपसी वातालाप के लिए होरी गाई जाती है, जो श्रीकृष्ण और राधा के बीच वातालाप पर आधारित होती है। महिलाएं पुरुषों को लु मारती हैं।

दुकानों के आवंटन से लेकर किसानों के शौचालय तक , जवाब देने से बचा मंडी प्रशासन

अवैध कब्जों, बदहाल सुविधाओं और सूचना से इंकार पर उठे बड़े सवाल

थोक मंडी बनी चिल्लर बाजार?

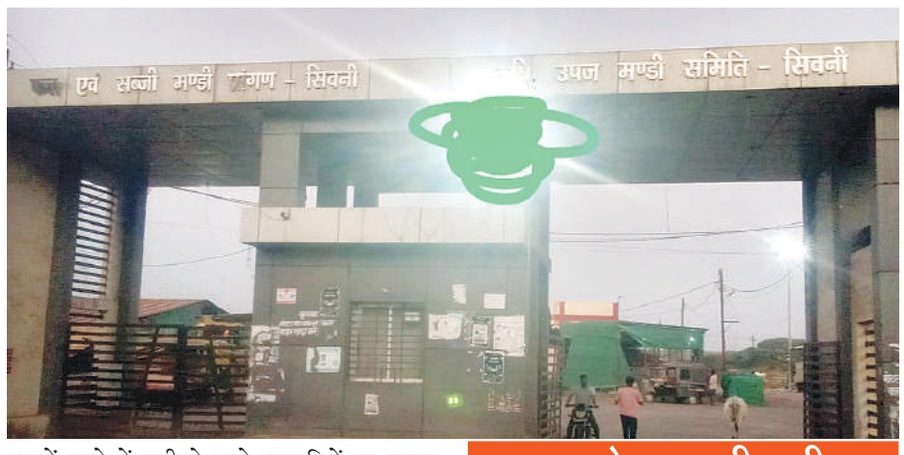

विनोद दुबे जिला ब्यूरो

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। कृषि उपज मंडी समिति सिवनी इन दिनों अव्यवस्थाओं, अवैध कब्जों और पारदर्शिता पर सवालों के चलते सुर्खियों में है। थोक व्यापार के लिए स्थापित मंडी परिसर अब चिल्लर बाजार का रूप लेता दिखाई दे रहा है। किसानों, हमालों और अधिकृत व्यापारियों की सुविधाएं जहां बदहाल हैं, वहीं सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी देने से भी मंडी प्रशासन ने पल्ला झाड़ लिया है।

सूचना मांगने पर प्रश्नात्मक बताकर आवेदन अमान्य

सूचना के अधिकार के तहत मंडी में संचालित दुकानों की कुल संख्या, आवंटन प्रक्रिया, वर्तमान कब्जाधारियों की स्थिति, अवैध कब्जों पर की गई कार्रवाई और किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी मांगी गई थी। मगर मंडी प्रशासन ने आवेदन को ह्लप्रश्नात्मकह्व बताकर निरस्त कर दिया। अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि सब कुछ नियमों के अनुसार है तो रिकॉर्ड सार्वजनिक करने में हिचक क्यों? मामला अब प्रथम अपील में जाने की तैयारी में है। किसानों का शौचालय झ पानी नहीं, सफाई नहीं, सब्जी मंडी में किसानों के लिए निर्मित शौचालय की हालत बेहद खराब बताई जा रही है।

नियमित पानी की व्यवस्था नहीं

सफाई व्यवस्था ठप आसपास अव्यवस्थित माहौल

सूत्रों के अनुसार जिस स्थान को किसानों की सुविधा के लिए विकसित किया गया था, वहां भी अवैध कब्जों की चर्चा है। लाखों में दुकान खरीदने वाले व्यापारी परेशान, मंडी की अधिकृत दुकानों को लाखों रुपये में खरीदने वाले व्यापारियों का कहना है कि– ग्राहकों तक पहुंच नहीं बन पा रही, मुख्य मार्गों पर अस्थायी और अनधिकृत दुकानें सजी रहती हैं।

अधिकृत दुकानें पीछे छूट जाती हैं

स्थिति यह बन गई है कि नियमों का पालन करने वाले व्यापारी भी मजबूरी में अव्यवस्थित ढंग से दुकान लगाने को बाध्य हो रहे हैं। सड़क पर दुकान, कीचड़ में किसान, मंडी के प्रवेश मार्ग से लेकर अंदरूनी सड़कों तक बीच रास्ते में चिल्लर दुकानदारों के कब्जे की बात सामने आ रही है। बरसात के दिनों में: कीचड़, जलभराव, बदबू, फिसलन इन हालातों में किसान और हमाल दोनों परेशान बताए जाते हैं।

शुद्ध पेयजल की कमी

सूत्रों के अनुसार मंडी परिसर में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। कुछ व्यापारी और किसान बाहर से पानी मंगवाने को मजबूर बताए जाते हैं। हमालों की जगह भी सुरक्षित नहीं? हमालों के बैठने और विश्राम के लिए निर्धारित स्थानों पर भी अन्य उपयोग होने की चर्चा है। यदि यह सही है तो यह श्रमिकों के अधिकारों पर सीधा प्रहार माना जाएगा।

बड़ा सवाल

दुकानों का वास्तविक आंकड़ा क्या है? कितनी दुकानें अधिकृत, कितनी अनधिकृत? अवैध कब्जों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई? किसानों की सुविधाओं पर कितना बजट खर्च हुआ? यदि सब कुछ पारदर्शी है तो रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं?

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद बस ऑपरेटरों ने लिया फैसला

2 मार्च की बस हड़ताल स्थगित

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। 2 मार्च से प्रस्तावित बस हड़ताल को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय मध्य प्रदेश बस ऑपरेटर संघ और मुख्यमंत्री के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया। सिवनी प्राइवेट बस ऑपरेटर्स संघ के तत्वावधान में स्थानीय कॉफी हाउस हॉल में आयोजित पत्रकार वार्ता में संगठन पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि गत रात्रि में प्रदेश स्तरीय बस ऑपरेटर संघ की मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में परिवहन नीति से संबंधित अधिसूचनाओं और बस संचालकों की आपत्तियों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

नई परिवहन नीति पर पुनर्विचार का आश्वासन

बताया गया कि 24 दिसंबर 2025 को मध्य प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित परिवहन नीति से संबंधित बिंदुओं पर पुनर्विचार करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही 29 जनवरी 2026 को प्रकाशित अधिसूचना के संदर्भ में भी परिवहन सचिव, मध्य प्रदेश शासन के साथ विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने बस संचालकों के पक्ष को सुनते हुए आश्वस्त किया कि आगामी बैठक में परिवहन संचालकों के साथ मिलकर नई नीति का मसौदा तैयार किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद प्रदेशभर के बस संचालकों ने 2 मार्च की प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया।

संगठन ने जताया आभार

पत्रकार वार्ता में जिला प्राइवेट बस ऑपरेटर्स संघ के अध्यक्ष तेज बाली सिंह सहित चंद्रभान सिंह ठाकुर, पुष्पेंद्र सिंह, रमन सिंह सनोदिया, संजय नागपुर, सुभाष गंगवानी, पवन दिवाकर, रज्जू ठाकुर, संदीप बघेल, नरेंद्र ठाकुर सहित अन्य बस ऑपरेटर उपस्थित रहे। संगठन ने परिवहन से जुड़े सभी संचालकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा जताई। अब निगाहें आगामी बैठक पर टिकी हैं, जहां नई परिवहन नीति के मसौदे को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

सूचना के अधिकार का बोर्ड खुद बेबस: कहीं गायब, कहीं बदहाल, कहीं प्रचार का जरिया बना

जगह लगे कि नजर न पड़े

विनोद दुबे जिला ब्यूरो

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लगाए जाने वाले सूचना के अधिकार (फ्छ्क) से संबंधित बोर्ड खुद अपनी बदहाली की कहानी कह रहे हैं। जिला मुख्यालय से लेकर विभिन्न विभागीय कार्यालयों तक हालात यह हैं कि कहीं ये बोर्ड लगे ही नहीं हैं, तो कहीं लगे हैं तो उनकी स्थिति इतनी खराब है कि जानकारी पढ़ पाना तक मुश्किल हो गया है। हाल ही में एक विभागीय कार्यालय में लगे बोर्ड की स्थिति सामने आई, जहां सूचना के अधिकार के तहत नामांकित अधिकारियों की जानकारी प्रदर्शित की जानी थी। लेकिन बोर्ड पर जगह-जगह पोस्टर चिपके हुए हैं, नाम और पद की जानकारी उखड़ी हुई है, पेंट उतर चुका है और मूल जानकारी अस्पष्ट हो चुकी है। हैरानी की बात यह है कि जिस बोर्ड का उद्देश्य नागरिकों को जानकारी देना है, उसी पर अन्य सूचनाओं और नोटिसों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

कहीं बोर्ड ही नहीं, कहीं ऐसी जगह लगे कि नजर न पड़े

जांच में यह भी सामने आया कि कई विभागों में सूचना के अधिकार से संबंधित बोर्ड या तो लगाए ही नहीं गए हैं या फिर ऐसे कोनों में टांग दिए गए हैं जहां आम नागरिक की नजर पहुंचना संभव नहीं है। कुछ कार्यालयों में बोर्ड दीवार के किनारे, दरवाजों के पीछे या ऊंचाई पर इस तरह लगाए गए हैं कि पढ़ना कठिन हो जाता है।

पारदर्शिता पर सवाल

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का उद्देश्य आम नागरिक को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली की जानकारी उपलब्ध कराना है। इसके तहत प्रत्येक विभाग में लोक सूचना अधिकारी, सहायक लोक सूचना अधिकारी और अपीलीय अधिकारी की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य है। लेकिन जब बोर्ड ही फटे, धुंधले या ढंके हुए हों तो आम नागरिक जानकारी कैसे प्राप्त करे?

जिम्मेदार कौन?

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विभागों द्वारा सूचना के अधिकार को केवल औपचारिकता तक सीमित कर दिया गया है? क्या बोर्ड लगाकर जिम्मेदारी पूरी मान ली गई है, भले ही उनकी स्थिति कैसी भी हो? जरूरत है कि संबंधित विभाग समय-समय पर इन बोर्डों की स्थिति की समीक्षा करें, जानकारी अपडेट रखें और यह सुनिश्चित करें कि आमजन को सूचना प्राप्त करने में किसी प्रकार की बाधा न हो। जब पारदर्शिता का संदेश देने वाला बोर्ड ही बदहाल हो, तो व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भवन विकास निगम में RTI का मजाक?

विषय और बिंद का फर्क नहीं समझ रहे लोक सूचना अधिकारी, निर्माण कार्यों की जानकारी देने से बचने के आरोप

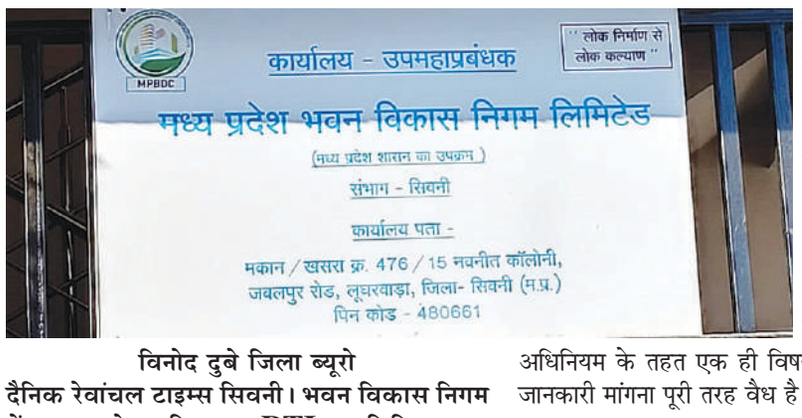

विनोद दुबे जिला ब्यूरो

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। भवन विकास निगम में सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम का खुलेआम मजाक उड़ाए जाने के आरोप सामने आए हैं। आवेदकों का कहना है कि लोक सूचना अधिकारी (PIO) विषयह्व और बिंदुह्व के अंतर को समझे बिना, एक ही विषय से जुड़े कई बिंदुओं को ह्लअधिक विशेष/विशिष्ट जानकारीह्व बताकर सूचना देने से बच रहे हैं।

एक विषय–कई बिंदु, फिर भी आपत्ति क्यों?

आवेदकों के अनुसार, यदि किसी निर्माण कार्य से जुड़े खर्च, निविदा प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान विवरण जैसे अलग-अलग बिंदु मांगे जाते हैं, तो उन्हें अलग-अलग विशेष जानकारी बताकर आवेदन निरस्त या अधूरा जवाब दिया जा रहा है। जबकि RTI अधिनियम के तहत एक ही विषय से संबंधित बहु-बिंदु जानकारी मांगना पूरी तरह वैध है।

निर्माण की परतें न खुल जाएं इसलिए टालमटोल?

सूत्रों का आरोप है कि वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों की लागत, तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश, माप पुस्तिका (MB) और भुगतान विवरण सार्वजनिक होने पर कई अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं। यही कारण है कि विभाग सूचना देने में टालमटोल कर रहा है। आवेदकों का कहना है कि बार-बार आवेदन करने के बावजूद या तो अधूरी जानकारी दी जाती है, या तकनीकी आपत्तियों के नाम पर आवेदन खारिज कर दिए जाते हैं।

RTI की भावना के विपरीत रवैया

सूचना का अधिकार अधिनियम पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। लेकिन यदि लोक सूचना अधिकारी ही नियमों की मनमानी व्याख्या करने लगें, तो आम नागरिक को सूचना कैसे मिलेगी?

विशेषज्ञों का मानना है कि–

एक ही परियोजना/विषय से जुड़े कई बिंदु मांगना नियमसम्मत है। सूचना उपलब्ध न कराने पर स्पष्ट कारण और धारा का उल्लेख अनिवार्य है। 30 दिन की समय-सीमा में जवाब देना बाध्यकारी है।

अब उठ रहे बड़े सवाल

क्या लोक सूचना अधिकारी को फ्छ्क के प्रावधानों का प्रशिक्षण दिया गया है? क्या जानबूझकर सूचना रोकी जा रही है? क्या उच्च स्तर पर इस मामले की जांच होगी? आवेदकों ने चेतावनी दी है कि यदि पारदर्शिता नहीं बरती गई, तो प्रथम व द्वितीय अपील के साथ-साथ राज्य सूचना आयोग तक मामला ले जाया जाएगा। भवन विकास निगम में चल रहे निर्माण कार्यों की सच्चाई क्या है? क्या विभाग पारदर्शिता दिखाएगा या फिर RTI को यूं ही कागजी बना देगा–यह आने वाला समय बताएगा।

अटैचमेंट बरघाट में, वेतन फुलारा से–ग्रामीणों में आक्रोश, जिम्मेदारों को नहीं जानकारी

फुलारा उप स्वास्थ्य केंद्र से 2 साल से गायब एमपीडब्ल्यू!

विनोद दुबे जिला ब्यूरो

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। उप स्वास्थ्य केंद्र फुलारा में पदस्थ पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीडब्ल्यू) मनोहर चौहान बीते दो वर्ष से अधिक समय से केंद्र से नदारद हैं। सूत्रों के अनुसार उन्हें लगभग दो साल पहले बरघाट क्षेत्र में, उनके गांव के पास ह्लअटैचह्व कर दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि वेतन फुलारा से जारी हो रहा है, लेकिन सेवाएं बरघाट में दी जा रही हैं–और फुलारा के ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भटक रहे हैं।

6-7 हजार आबादी पर सिर्फ एक एएनएम और एक सीएचओ

फुलारा क्षेत्र की करीब 6 से 7 हजार की आबादी के लिए वर्तमान में केवल एक एएनएम और एक सीएचओ पदस्थ हैं। पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता की अनुपस्थिति से टीकाकरण, परिवार नियोजन, विशेषकर पुरुष नसबंदी जैसे कार्यक्रमों में गंभीर बाधा आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पुरुष स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर महिलाकर्मी से चर्चा करने में कई पुरुष हिचकिचाते हैं, जिससे सरकारी अभियानों की सफलता प्रभावित हो रही है।

वेतन यहां से, काम कहीं और?– ग्रामीणों का सवाल

ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब कर्मचारी का वेतन फुलारा से जारी हो रहा है, तो सेवाएं भी यहीं क्यों नहीं मिल रहीं? क्या लंबे समय तक किसी कर्मचारी का दूसरे स्थान पर अटैच रहना नियमसम्मत है? और यदि है, तो इसकी आधिकारिक सूचना व आदेश की पारदर्शिता क्यों नहीं?

जिम्मेदारों को नहीं जानकारी!

इस संबंध में जब ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर राजेंद्र कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ह्लजिले के आदेश से अटैच किया गया है, इससे अधिक जानकारी नहीं है। वहीं चीफ मेडिकल ऑफिसर जयपाल सिंह ने कहा कि ह्लमामले की जानकारी नहीं है, पता कराते हैं। स्वास्थ्य विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों को ही स्थिति की स्पष्ट जानकारी न होना कई सवाल खड़े करता है–क्या विभागीय स्तर पर मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड-अपडेट की व्यवस्था कमजोर है?

बड़े सवाल

क्या दो साल से अधिक समय तक अटैचमेंट नियमों के अनुरूप है? यदि आदेश है, तो उसकी अवधि और शर्तें क्या हैं? फुलारा की आबादी को पुरुष स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रखने की जवाबदेही किसकी?

क्या उच्च स्तर पर जांच कर जिम्मेदारी तय होगी?

ग्रामीणों ने मांग की है कि या तो एमपीडब्ल्यू को तत्काल फुलारा में पदस्थ किया जाए, या फिर स्थायी व्यवस्था कर स्पष्ट आदेश सार्वजनिक किए जाएं। अन्यथा वे जन आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर लापरवाही पर क्या कार्रवाई करता है–और फुलारा की जनता को उनका हक कब मिलता है।

वार्ड क्रमांक 20 (कस्तूरबा वार्ड) में नि:शुल्क शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। वार्ड क्रमांक 20 कस्तूरबा वार्ड की पार्षद जीतू तरुण श्रीवास द्वारा क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित कार्ड एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में नि:शुल्क ई-श्रम कार्ड, आभा कार्ड, हेल्थ कार्ड, ई-पैन कार्ड, शून्य बैलेंस खाता खोलने की सुविधा तथा ई-श्रम कार्ड अपडेट की व्यवस्था की गई है। शिविर में लाभ लेने के लिए आधार से मोबाइल नंबर लिंक होना आवश्यक बताया गया है। यह शिविर 25 जनवरी 2026 से प्रारंभ किया गया है तथा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य वार्ड के अधिक से अधिक नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। पार्षद ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं।

2 मार्च को भाजपा जिला कार्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय एवं सम्मान समारोह

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- भारतीय जनता पार्टी जिला सिवनी द्वारा सोमवार 2 मार्च को प्रातः 11:00 बजे भाजपा जिला कार्यालय में नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों का परिचय एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगी। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन एवं बरघाट विधायक कमल मर्सकोले विशेष रूप से शामिल होंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष अभिषेक दुबे एवं युवराजसिंह राहंगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों के साथ-साथ मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं मंडल अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है। जिला भाजपा के नवगठित कार्यसमिति के संबंध में जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल ने बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुमति तथा संभाग प्रभारी सुमेरसिंह सोलंकी एवं जिला प्रभारी अशोक रोहाणी की सहमति से जिला कार्यसमिति की घोषणा की गई है।

भोपाल में लगे अमेरिका-इजराइल मुदार्बाद के नारे

ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत पर मातम; इमाम बोले- खामेनेई ने हमेशा मजलूमों का साथ दिया

भोपाल। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर भारत के शिया समुदाय में भी शोक की लहर है। भोपाल के करोंद स्थित शिया मस्जिद में रविवार को जोहर की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए इमाम बाकर हुसैन ने कहा- पूरी दुनिया उस शख्सियत को जानती है, जिसने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और मजलूमों का साथ दिया। खामेनेई ने अपने जीवन में अत्याचार का विरोध किया और इस्लामी इंकलाब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया। उन्होंने इमाम हुसैन की मौत का जिक्र करते हुए कहा- इतिहास गवाह है कि किसी विचारधारा या आंदोलन को किसी एक व्यक्ति के जाने से समाप्त नहीं किया जा सकता। इंकलाब की राह आगे भी जारी रहेगी और उसे आगे बढ़ाने वाले लोग मौजूद रहेंगे। अंत में इमाम हुसैन ने ताजियत पेश की। सभा में मौजूद लोगों ने इजराइल मुदार्बाद, अमेरिका मुदार्बाद, खामेनेई जिंदाबाद, अल्लाह हू अकबर और या हुसैन के नारे लगाए गए।

उम्मत-ए-मुस्लमान खुद को यतीम महसूस कर रही : मजलिस को संबोधित करते हुए इमाम बाकर हुसैन ने कहा कि दुश्मन अक्सर सामने से नहीं, बल्कि पीछे से वार करता है। उन्होंने कहा कि अयातुल्ला खामेनेई की शहादत से उम्मत-ए-मुसलमान खुद को यतीम महसूस कर रही है। शहादत किसी भी विचारधारा को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे और मजबूत बनाती है। इमाम हुसैन ने लोगों से एकजुट रहने और सब्र बनाए रखने की अपील भी की।

इमाम जुमा सैयद अजहर हुसैन रिजवी ने दी श्रद्धांजलि : मस्जिद मोहम्मदी के इमाम जुमा सैयद अजहर हुसैन रिजवी ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अयातुल्ला अली खामेनेई को उम्मत-ए-मुसलमान का निडर रहबर बताते हुए कहा कि वे हमेशा जालिम के खिलाफ और मजलूम के समर्थन में खड़े रहे। उन्होंने कहा कि खामेनेई ने कभी फिरके या मिल्लत के आधार पर भेदभाव नहीं किया, बल्कि जहां भी अत्याचार हुआ, उसके खिलाफ आवाज उठाई। मजलूम का साथ देना इंसानियत और हकानियत की पहचान है जबकि जुल्म का समर्थन करना ईश्वरीय दृष्टि में गुनाह माना जाता है।

खामेनेई 35 साल से ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर काबिज : अयातुल्ला अली खामेनेई 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज हैं। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है।

सबके हितों की करेंगे रक्षा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री से मिले मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी

मुख्यमंत्री से भेंट एवं विस्तृत चर्चा के बाद एसोसिएशन ने वापस ली हड़ताल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के हर ग्रामीण अंचल तक यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिले, इसके लिए हम हर जरूरी कदम उठा रहे हैं। इस लक्ष्य के लिए हम कटिबद्ध हैं। सबके हितों की रक्षा हो और लोक परिवहन सेवा भी निर्बाध रूप से चलती रहे, यही हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यात्रियों को विशेषकर ग्रामीण अंचल के लोगों को सुगम परिवहन की सेवा देना चाहते हैं, पर इस उद्देश्य की पूर्ति में किसी का नुकसान भी नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों (बस ट्रांसपोर्टर्स) से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बस ऑपरेटर्स की सभी शंकाओं/कठिनाई का मिल-बैठकर हल निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑनर्स के पदाधिकारी, परिवहन मंत्री से मिलकर अपनी सभी शंकाओं/कठिनाईयों/समस्याओं का समाधान कराएंगे। इसके लिए वे परिवहन मंत्री को भी निर्देशित कर रहे हैं। दोनों पक्षों की चर्चा और समाधान के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासन द्वारा जारी की गई एक सूचना एवं एक अधिसूचना को होल्ड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सकारात्मक बातचीत, अपनी मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं उपर्युक्त सूचना/अधिसूचना को होल्ड करने का आश्वासन मिलने के बाद मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन (बस ट्रांसपोर्टर्स) के पदाधिकारियों ने आगामी 2 मार्च 2026 से प्रारंभ होने वाली बस हड़ताल वापस ले लेने की घोषणा की है। एसोसिएशन ने विषय का संतोषजनक समाधान निकालने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार भी जताया। बैठक में सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह, बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी एवं प्रदेश के दस संभागों से आए बस ऑनर्स उपस्थित थे।

वनरक्षक की लकड़ी माफिया से साठगांठ उजागर

वन विभाग ने शिकायतकर्ता आरोपी को किया गिरफ्तार; कॉल डिटेल में मिले सबूत

रायसेन। रायसेन जिले के सिलवानी में जंगल कटाई के एक मामले में पूर्व वनरक्षक और एक लकड़ी तस्कर के बीच मिलीभगत का मामला सामने आया है। यह खुलासा तब हुआ जब वन विभाग ने शिकायत करने वाले आरोपी आजाद खान को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल फोन से अहम सबूत मिले। इन सबूतों में पूर्व वनरक्षक से हुई बातचीत की ऑडियो, वीडियो रिकॉर्डिंग और चैट शामिल हैं। जांच के दौरान वन विभाग ने आरोपी आजाद खान की बात वनरक्षक से कराई। बातचीत में वनरक्षक ने आजाद से अपने मोबाइल की कॉल डिटेल और अन्य सामग्री हटाने के लिए कहा। आरोप है कि अवैध कटाई के बाद मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) को भेजी गई शिकायत भी इसी साजिश का हिस्सा थी। बताया जा रहा है कि यह शिकायत मौजूदा बीट गार्ड और डीएफओ को फंसाने के लिए भेजी गई थी, जिसे कथित रूप से आजाद खान ने वनरक्षक के कहने पर भेजा था।

वनरक्षक ही पेड़ काटने वाला निकला : वन विभाग ने हाल ही में सिलवानी वन क्षेत्र में जंगल कटाई के आरोप में आजाद खान, पिता अजीम खान, को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आजाद खान ने बताया कि कटाई के बाद वह पेड़ों के ठूंठ की तस्वीरें वनरक्षक को भेजता था। वनरक्षक ने मोबाइल चैट के जरिए अधिकारियों के ईमेल आईडी और पते उसे दिए थे और शिकायत करने को कहा था। एक रिकॉर्डिंग में, जब उसकी गिरफ्तारी की बात हो रही थी, तो वनरक्षक यह कहते सुनाई देता है, ह्ननाम मत लेनाह्व मेरा कोई रोल नहीं हैनंबर डिलीट कर देना। मामला चाहे जो भी हो, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के बाद वन विभाग पर भी सवाल उठ रहे हैं। जिनकी जिम्मेदारी जंगल और पेड़ों की सुरक्षा की है, उन्हीं की देखरेख में जंगल कटते रहे, इस पर लोग सवाल कर रहे हैं।

जांच के बाद होगी कारवाई : इस मामले में डीएफओ प्रतिभा शुक्ला ने कहा है कि नियमों के अनुसार एक समिति बनाकर जांच कराई जाएगी। कटे हुए पेड़ों की गिनती की जाएगी। जहां-जहां लकड़ी बेची गई है, वहां संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। अगर जांच में किसी कर्मचारी की भूमिका या लापरवाही सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

होली-रमजान से पहले छिंदवाड़ा में पुलिस का फ्लैग मार्च

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में आगामी होली और रमजान माह को देखते हुए शहर में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए शनिवार को पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने लोगों को शांति और सौहार्द्र के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। फ्लैग मार्च पुलिस कंट्रोल रूम से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। मार्च बस स्टैंड, जेल तिराहा, फव्वारा चौक, गोलगंज, अकबरी मस्जिद, रॉयल चौक, छोटी बाजार, पावर हाउस, छोटा तालाब और यातायात तिराहा होते हुए पुलिस लाइन पहुंचा। फ्लैग मार्च में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा, रक्षित निरीक्षक आशीष तिवारी, राकेश तिवारी, थाना प्रभारी कोतवाली आशीष धुर्वे, थाना प्रभारी देहात गोविंद राजपूत, थाना प्रभारी कुंडीपुरा महेन्द्र भगत और चौकी प्रभारी धरमटेकड़ी अविनाश पारधी सहित पुलिस लाइन व विभिन्न थानों का बल मौजूद रहा।

वन्य जीवों के पुनर्स्थापन में मप्र बन गया है देश का आदर्श माडल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

चीतों का अपना घर है कूनो नेशनल पार्क

असम से लायेंगे जंगली भैंसा

नदियों में घड़ियाल और कछुए भी छोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध वन सम्पदा का अनुपम केन्द्र है। नदियों के मायके के रूप में ख्याति पा चुके मध्यप्रदेश में वन्यजीवों की कोई कमी नहीं है। फिर भी मध्यप्रदेश की धरती को नाना प्रकार के वन्यजीवों से समृद्ध करने के लिए सरकार सभी कदम उठा रही है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों का पुनर्स्थापन इसी दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन इतिहास के लिए बड़ा अलग प्रकार का है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2022 से एक अद्वितीय निर्णय हुआ जब समूचे एशिया से चीता गायब हो गए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर केन्द्रीय वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने 2022 में मध्यप्रदेश को चीतों का नया घर बनाने का जो निर्णय लिया आज उसकी अगली कड़ी में बोत्सवाना में राष्ट्रपति जी को जो उपहार में चीते मिले, वो चीतों का आज पुनः बसाहट का काम हुआ और आनंद की बात यह है कि 8 चीते देने की बात की थी और 9वां चीता भी लेकर के आए। आज की स्थिति में इन 9 चीतों को मिलाकर मध्यप्रदेश में अब 48 चीते हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को स्टेट हैंगर पर मीडिया से चर्चा में जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रकृति के साथ मनुष्य के संबंध के बेहतर परिणाम आए हैं कि हमने अपने वन्यप्राणी चीतों की बसाहट के लिए दुनिया के सामने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से भारत में चहुंमुखी प्रगति प्रतिभा और चहुंमुखी विकास के दर्शन हो रहे है ऐसे प्रकृति का भी एक बहुत अनुपम उदाहरण बना है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं केन्द्रीय वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव का अभिनंदन करता हूँ। मध्यप्रदेश की धरती पर ऐसे कई और प्रयोग हम लगातार करने वाले हैं। आने वाले समय में असम से जंगली भैंसे आयेंगे। कल घड़ियाल और कछुए को हम छोड़ने वाले हैं। ऐसे सभी प्रकार के वन्य प्राणियों के साथ सभी प्रकार के थलचर, जलचर, नवचर, कुछ दिन पहले गिद्ध छोड़कर अपने देश के अंदर के गिद्धों का और एशिया महाद्वीप से आगे बढ़कर रशिया से आगे आने वाले गिद्ध को भी हमने अपने यहां छोड़कर, उन संबंधों के साथ प्रकृति के साथ रिश्ता बनाने का प्रयास किया है।

जीआरपी ने गांजा तस्करी नेटवर्क ध्वस्त किया:ओडिशा से मुख्य आरोपी गिरफ्तार पहले भी हुई थीं तीन गिरफ्तारियां

बैतूल। बैतूल जीआरपी ने गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी नौसाद अली उर्फ मामा (33) को ओडिशा से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उसे बैतूल लाकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जीआरपी प्रभारी रविश कुमार ने बताया कि आरोपी मूल रूप से हावड़ा (पश्चिम बंगाल) का रहने वाला है और फिलहाल ओडिशा के गजपति जिले की फॉरेस्ट गेट कॉलोनी में रह रहा था। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 08/26 के तहत धारा 8/20 और 29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि नौसाद अली उर्फ मामा गांजा सप्लाई करने का मुख्य काम करता था। शाहिद नाम का व्यक्ति उससे माल मंगवाता था और आगे सप्लाई करता था।

पिछले महीने भी इसी नेटवर्क के लोग पकड़ाए

पुलिस के अनुसार, पिछले महीने इसी नेटवर्क से जुड़े तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें पश्चिम बंगाल का ताजिम अनवर और आगर मालवा के शाहिद खान व सुनील नायक शामिल हैं। इन सभी के पास से करीब चार-चार किलो गांजा बरामद किया गया था।

रायसेन में 70 जगहों पर जलेगी होलिका

गोबर के कंडों से जलाने पर जोर; पुलिस बोली- हर्बल रंगों से मनाएं त्योहार

रायसेन। रायसेन में होली, रंग पंचमी और ईद त्योहारों को लेकर शनिवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री हिंदू उत्सव समिति और मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष, सदस्यगण, नागरिक, एसडीएम, एसडीओपी और थाना प्रभारी मौजूद थे। बैठक में होली को लेकर चर्चा की गई। शहर के वार्ड पांच टिप्टा बाजार स्थित बड़े मंदिर पर 2 मार्च को रात 9 बजे सबसे पहले होलिका का दहन किया जाएगा। इसके बाद शहर की अन्य होली बारी-बारी से जलाई जाएगी। शहर में लगभग 70 स्थानों पर छोटी-बड़ी होलिकाएं जलाई जाएंगी। होलिका दहन स्थलों पर नीचे झूल रहे बिजली के तारों को व्यवस्थित करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा, जुलूस के दौरान शहर के तिराहों पर अव्यवस्थित खड़े वाहनों को भी व्यवस्थित करने का मुद्दा उठाया गया। एसडीएम मनीष शर्मा और एसडीओपी नीलम चौधरी ने सभी लोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। होली त्योहार पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और जगह-जगह पुलिस पॉइंट लगाए गए हैं। पुलिस द्वारा हुड़दंगियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष रवि खत्री ने बताया कि पाटन देव हनुमान मंदिर से सुबह 10 बजे जुलूस प्रारंभ होगा। यह सागर रोड, सागर तिराहे, महामाया चौक, इंडियन चौराहा से पुरानी बस्ती होता हुआ महामाया चौक पर समाप्त होगा। थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने सभी से शांतिपूर्ण और मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने गोबर के कंडे से होलिका दहन करने और हर्बल रंगों से होली खेलने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिन्हें रंगों से परहेज है, उन्हें जबरदस्ती रंग न लगाया जाए।

दो बाइकों कि टक्कर पांच फिट उछलकर गिरे सवार:एक की मौत

रायसेन। रायसेन जिले के बेगमगंज में शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे सुमेर पुल के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान देवलापुर निवासी अमर बंसल के रूप में हुई है। वह एक बाइक चला रहा था। दूसरी बाइक पर सवार सागोनी निवासी नितिन और मोनू इस दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार पांच फीट उछलकर दूर जा गिरे। सूचना मिलते ही एफआरवी पायलट जयप्रकाश नारायण अहिरवार और पुलिस स्टाफ अजय राणा 112 वाहन के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी राजीव उईके भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

रंग, स्वाद और रोजगार का संगम:भोपाल में होली मेले का आयोजन

आजीविका दीदियों ने बनाया ऑर्गेनिक गुलाल और महुआ के लड्डु

भोपाल। राजधानी भोपाल में होली के अवसर पर आजीविका दीदियों ने रंग और रोजगार का अनोखा संगम रचा है। डीबी मॉल के पास भोपाल हाट में 21 फरवरी से 2 मार्च तक आजीविका मार्ट के रूप में होली मेला लगाया गया है। इस मेले का उद्देश्य आजीविका समूहों की महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों को पहचान दिलाना और लोगों को शुद्ध व घरेलू सामान उपलब्ध कराना है। यहां मध्य प्रदेश के कई जिलों से आई जीविका दीदियां अपने हाथों से बने उत्पाद बेच रही हैं।

भोपाल समेत 15 से 20 जिलों की जीविका दीदियां शामिल : इस होली मेले में भोपाल, भिंड, मुरैना, इंदौर, सीहोर, सागर, सीधी, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, सिंगरौली, सतना, दमोह, छतरपुर, निवाड़ी, धार, झाबुआ, मंदसौर, खरगोन, बैतूल, विदिशा और बुरहानपुर जैसे जिलों की जीविका दीदियां शामिल हुई हैं। मेले में हैंडलूम उत्पाद, ऑर्गेनिक गुलाल और अलग अलग जिलों के पारंपरिक खान पान की व्यवस्था की गई है। यहां पहुंचने वाले लोगों को एक ही स्थान पर पूरे प्रदेश की संस्कृति और स्वाद की झलक देखने को मिल रही है।

बालाघाट की दीदियों ने बताया ऑर्गेनिक गुलाल बनाने की प्रक्रिया : बालाघाट से आई आजीविका दीदियों ने बताया कि होली के लिए पूरी तरह ऑर्गेनिक गुलाल तैयार किया गया है। गुलाल बनाने के लिए पहले अरारोट या पलाश के फूल को सुखाया जाता है। फिर उसमें अलग-अलग रंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्राकृतिक सामग्री मिलाते हैं जैसे- पीला रंग बनाने के लिए हल्दी और बेसन, लाल रंग के लिए चुकंदर। दीदियों का कहना है कि इस गुलाल से किसी प्रकार का रिएक्शन नहीं होता क्योंकि इसमें कोई केमिकल नहीं मिलाया जाता। पर्यावरण और त्वचा दोनों के लिए यह सुरक्षित है।

सीधी से आया महुआ के लड्डु : सीधी जिले से आई जीविका दीदियों ने महुआ के लड्डु तैयार कर लाए हैं। उनका कहना है कि यदि इन लड्डुओं का नियमित सेवन किया जाए तो जोड़ों के दर्द, सांस फूलने और कमजोरी जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

अनूपपुर से आया कोदो के बिस्किट : अनूपपुर और अन्य जिलों से आई दीदियां कोदो के बिस्किट लेकर आई हैं। एक जीविका दीदी ने बताया कि कोदो सीधे किसानों से लिया जाता है, उसे साफ कर हाथों से बिस्किट तैयार किए जाते हैं। इसमें किसी प्रकार का मिलावटी पदार्थ नहीं मिलाया जाता।

शुद्ध मसाले, खोया और घर की बनी गुजिया भी उपलब्ध : मेले में ऑर्गेनिक और शुद्ध मसाले, खोया और खोए की गुजिया भी उपलब्ध है। पारंपरिक तरीके से तैयार की गई इन मिठाइयों की मांग काफी देखी जा रही है। भोपाल हाट पहुंचे धर्मेंद्र सेठ ने बताया कि इस होली मेले की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां घर का बना सामान मिल रहा है। आज मिलावट के दौर में शुद्ध खान पान की चीजें मिलना कठिन है, लेकिन यहां भरोसे के साथ खरीदारी की जा सकती है।

रंगों के साथ रोजगार का भी उत्सव : यह होली मेला केवल खरीद बिक्री का केंद्र नहीं बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की मिसाल भी है। आजीविका मार्ट के माध्यम से आजीविका समूहों की महिलाओं को अपनी कला और मेहनत दिखाने का मंच मिला है। होली के रंगों के साथ आजीविका का यह संगम न केवल त्योहार को खास बना रहा है बल्कि ग्रामीण बहनों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

समृद्ध किसान, आत्मनिर्भर कृषि की ओर पहल

893 ड्रिप स्प्रिंकलर मिनी स्प्रिंकलर की मिली स्वीकृति

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले की पहचान एक कृषि प्रधान एवं समृद्ध कृषक परंपरा वाले जिले के रूप में रही है, एशिया की सबसे उपजाउ भूमि कलमेटाहार नरसिंहपुर में है, इसलिए यहां की उर्वरा भूमि और मेहनतकश किसान प्रदेश की अन्न उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जिले में वर्ष 2026 को ष्कृषक कल्याण वर्षष् के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों की आय में सतत वृद्धि, खेती को अधिक लाभकारी एवं आधुनिक बनाने तथा सिंचाई, ई-विकास प्रणाली, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती एवं पशुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए व्यापक एवं प्रभावी कार्ययोजना लागू की गई है, जिससे जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

जिले में दिया जा रहा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा : कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में 25 कलस्टर में 125 कृषक प्रति क्लस्टर इस प्रकार कुल 3 हजार 125 कृषकों को एमपी किसान पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। जिले में 1250 हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की जा रही है, जिसमें गेंहू लगभग 55 हेक्टर, चना 275 हेक्टर, मसूर 248 हेक्टर, गन्ना 150 हेक्टर, अलसी 15 हेक्टर, सरसों 257 हेक्टर, मटर 65 हेक्टर, अरहर 60 हेक्ट और 125 हेक्टर में साग-भाजी की फसल ली जा रही है। खेत तालाब निर्माण, मध्यम एवं लघु सिंचाई योजनाएं तथा बलराम तालाब योजना के माध्यम से सिंचाई क्षमता का विस्तार किया जा रहा है। खेत तालाब निर्माण से सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। माइक्रो इरीगेशन (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर) को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष 2025-26 में 893 ड्रिप स्प्रिंकलर मिनी स्प्रिंकलर की स्वीकृति दी गई है। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत 498 प्रकरण तैयार किये गये है। जल की बचत और उत्पादन वृद्धि दोनों सुनिश्चित किए जा रहे हैं। तालाब गहरीकरण एवं नई संरचनाओं से वर्षभर सिंचाई सुविधा का मार्ग प्रशस्त होगा।

उद्यानिकी और पशुपालन से आय के नए द्वार : उद्यानिकी विभाग द्वारा फल एवं सब्जी क्षेत्र विस्तार, पॉलीहाउस निर्माण जैसी योजनाओं से किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल रहे हैं। पशुपालन विभाग द्वारा बकरी इकाई, समग्र मुर्गी पालन जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत व्यापक लक्ष्य निर्धारित कर किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों और नई तकनीकों का उपयोग संभव हो रहा है, जिससे लागत में कमी और लाभ में वृद्धि सुनिश्चित हो रही है। वर्ष 2025-26 में 18 हजार किसानों को स्वाईल हेल्थ कार्ड जारी किये गये है।

जैविक खेती व आधुनिक तकनीक का समन्वय :

जैविक खेती के अंतर्गत किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, उन्नत बीज एवं आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिल रहा है। कृषक कल्याण वर्ष- 2026 केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि किसानों के सर्वांगीण विकास की ठोस कार्ययोजना है। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं आधुनिक बनाया जा रहा है। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह वर्ष निश्चित रूप से जिले के किसानों के लिए प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय सिद्ध होगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। वर्तमान युग में विज्ञान का लोकव्यापीकरण हो रहा है जिससे मानव समाज नित नवीन प्रोद्यौगिकी से जुड़ रहा है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण चहुँमुखी विकास हेतु आवश्यक है उक्ताशय के उद्गार प्रो. आलोक तिवारी, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शा. स्ना. महाविद्यालय नरसिंहपुर ने एम. आई. एम. टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 की थीम विज्ञान में महिलाएंरू विकसित भारत को उत्प्रेरित करना पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। कार्यक्रम के अध्यक्ष इंजी. रूद्रेश तिवारी चेयरमैन एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर ने रमन इफेक्ट को समाहित करते हुए वर्तमान के साइंस और टेक्नोलॉजी युग में विज्ञान के सार्थक प्रयोग की बात पर बल दिया। सहा. प्राध्यापक सुश्री नंदिनी विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन में भारतीय वैज्ञानिकों के इतिहास को प्रदर्शित कर महिला वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित किया। सहा. प्राध्यापक श्रीमती प्रावी सिंह पटेल ने जीवन में विज्ञान की भूमिका तथा ऑपरेशन सिंदूर में वैज्ञानिक योगदान पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं के प्रतिनिधि वक्ता के रूप में शिवांशी तिवारी एवं स्वाति लोधी द्वारा रमन प्रभाव एवं वैज्ञानिक अन्वेषण अनुसंधान एवं प्रगति पर सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार सहा. प्राध्यापक फूल सिंह धानका द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्जवलन एवं महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। छात्रा आर्या सोनी द्वारा सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम के दूसरे चरण मे विज्ञान के विविध विषयों पर छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर निर्मित कर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा अतिथियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती अनीता रघुवंशी विभागाध्यक्ष विज्ञान संकाय तथा श्रीमती माधुरी पटवा सहा. प्राध्यापक सहित जी. डी. उमरे, आई.टी. ऑफिसर प्रसून नेमा, शिशिर मिश्रा, सहा. प्राध्यापक हेमराज सेन, मो. आशिक अली, श्रीमती आकांक्षा नामदेव, आलोक शर्मा, सुश्री खुशबू निशा, सुश्री सपना जाटव, सुश्री राजश्री पटेल, कृष्णकांत जाटव, महेश पाठक, दिनेश पटेल सहित स्टॉफ मेम्बर्स एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की कार्यक्रम में उपस्थिति रही। विज्ञान प्रदर्शनी मे प्रथम सिंह राजपूत बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट पोस्टर ग्रुप को प्रथम स्थान, वेदिका स्थापक बी.एस.सी. तृतीय वर्ष सी.एस. के फुट स्टेप पावर जनरेटर पोस्टर ग्रुप को द्वितीय, नेहा पटेल बी.एस.सी. तृतीय वर्ष प्लेन मैथ्स के स्मार्ट हेलमेट पोस्टर ग्रुप को तृतीय वर्ष पोस्टर ग्रुप को तृतीय पुरस्कार तथा शीतल गुमास्ता बी.एस.सी. प्रथम वर्ष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पोस्टर ग्रुप को सांत्वना पुरस्कार एवं समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण महाभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जिला कार्यशाला भाजपा जिलाध्यक्ष पं.रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता में व जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व मंत्री शरद जैन, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, प्रशिक्षण अभियान जिला संयोजक श्रीमती संध्या कोठारी, जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा, राहुल कौरव, राजाराम कस्तवार, जयप्रकाश वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कार्यशाला के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा एक मात्र ऐसा राजनैतिक दल है जो राजनैतिक कार्य करने के साथ ही दीनदयाल जी की वैचारिक विचारधारा अंत्योदय से समाज का सर्वांगीण विकास को लेकर आगे बढ़ रही है इस विचारधारा को फलीभूत एवं सयाज के अंतिम व्यक्ति तक भाजपा की विचारधारा को पहुचाने हेतु कार्यकर्ता का प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है इस हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। भाजपा ही एक मात्र ऐसा राजनैतिक दल है जहा प्रतिदिन प्रतिक्षण कार्यकर्ता को कुछ न कुछ सीखने को मिलता है अतः आप सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारीगण पूर्ण मनोयोग से इस प्रशिक्षण महाभियान में अपनी सहभागिता करते हुए दीनदयाल जी के विचारो को आत्मसाद करे व इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुचाए। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव द्वारा किया गया साथ ही उन्होने एक विस्तृत पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण अभियान के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यो और उनकी रूपरेखा को डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत किया। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यशाला के अंत में जिला महामंत्री राजाराम कस्तवार ने उपस्थित सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में जिला पदाधिकारी गण, मण्डल अध्यक्षगण, मण्डल महामंत्री गण एवं प्रशिक्षण महाभियान की मंडल टोली के सदस्यो की उपस्थिति रही ।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रभारी प्रधानाचार्य राजेन्द्र पटैल की अध्यक्षता में मनाया गया। ए.टी.एल. प्रभारी आचार्य हिमांशु विश्वकर्मा, विज्ञान प्रभारी आचार्य देवीसिंह विश्वकर्मा, ईश्वरदास बैरागी, सुरेश पटैल, श्रीमती प्रियंका सोनी, सुश्री निधि दुबे, श्रीमती सविता सेन श्रीमती श्रृद्धा यादव, श्रीमती सुनीता यादव, श्रीमती हेमलता पटैल की उपस्थिति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रभारी आचार्यो ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि विज्ञान ने हमारे जीवन को सरल बना दिया है। आज जीवन के हर क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा नये-नये आविष्कारों की जानकारी प्राप्त होती है। 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सी.वी. रमन के द्वारा रमन प्रभाव की खोज की थी, उसी उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम विज्ञान के प्रति अभिरूचि जाग्रत करने के लिये प्रतिवर्ष मनाया जाता है। संस्था प्राचार्य श्री कुर्मी, प्रभारी प्रधानाचार्य श्री पटैल ने उच्चतर एवं प्राथमिक विभाग के कार्यक्रम में आशीष वचन देते हुये कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने जो अनुसंधान किये है उनसे हमें प्रेरणा लेते हुये नवाचार की दिशा में आगे बढ़ते रहे। मंच संचालन सुनील दुबे आचार्य द्वारा किया गया।

बाइक टक्कर के बाद हुआ विवाद, चली गोली

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी में दो बाइको के बीच टक्कर के बाद हुए विवाद के दौरान गोली चलने की घटना सामने आई है। फायरिंग में एक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए शासकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोटेगांव निवासी सोहन चैहान अपने साथी मनीष के साथ किसी कार्य से बाइक से मुंगवानी गया था। उसी दौरान उसकी बाइक की टक्कर मुंगवानी के पास राहुल सोनी नामक व्यक्ति की बाइक से हो गई। टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते झूमाझटकी में बदल गई। उसी दौरान राहुल ने अपने पास रखी गन से फायर कर दिया। गोली सोहन के दाहिने पैर की जांघ में लगी, जिससे वह घायल हो गया। वही उसके दोस्त ने पुलिस को सूचना दी डायल 112 की सहायता से घायल को जिला अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वही पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

पुतला दहन कर, सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। शगत दिवस स्थानीय सुभाष पार्क चैराहे पर शंकराचार्य समर्थक एवं भक्त मंडल द्वारा बृज बिहारी सरकार एवं अनिकेत कृष्ण महाराज के नेतृत्व मे पुतना दहन कर ज्ञापन सौंपा। शंकराचाय जी पर लगाए गए आरोपों के विरोध में संत समाज एवं श्रद्धालुओं द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया तथा आशुतोष महाराज का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जैसे संतों पर इस प्रकार के आरोप आस्था पर आघात हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने नारेबाजी करते हुए संत समाज के समर्थन में एकजुटता दिखाई। आयोजन स्थल पर पुलिस बल भी तैनात रहा और स्थिति शांतिपूर्ण रही। संतों ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को सजग रहना आवश्यक है।

पवई थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

रेवांचल टाइम्स संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पवई पन्ना। पवई आगामी होलिका दहन, रंगोत्सव, रामनवमी तथा पवित्र रमजान माह के समापन पर मनाए जाने वाले ईद-उल-फितर पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पवई थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी सुशील कुमार अहिरवार ने की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी त्योहार आपसी भाईचारे, सद्भाव और शांति के साथ मनाए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट साझा न की जाए। ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। बैठक में उपस्थित नागरिकों ने प्रशासन से त्योहारों के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था एवं साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस पर प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अंत में सभी उपस्थित जनों ने क्षेत्र में शांति, सौहार्द और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई बैठक में एसडीओपी भावना सिंह दागी तहसीलदार त्रिलोक सिंह नगर निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार जनप्रतिनिधि दोनों समुदाय के प्रतिनिधि एवं पवई के नागरिक पत्रकारगण उपस्थित रहे।

दक्षिण पन्ना वनमंडल के कल्दा रेंज में छठे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

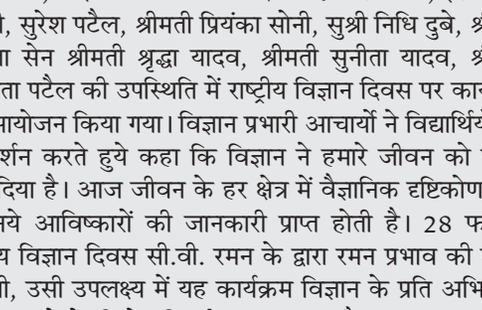

रेवांचल टाइम्स संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पन्ना। लगभग 100 वनकर्मियों एवं आदिवासी ग्रामीणों ने उठाया लाभ जेके सीमेंट के पर्यावरण विभाग द्वारा दक्षिण पन्ना वनमंडल के कल्दा परिक्षेत्र में छठा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शिविर में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, उनके परिजन, वन समिति सदस्य, स्थानीय ग्रामीण तथा मीडियाकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह स्वास्थ्य शिविर यूनिट हेड कपिल अग्रवाल एवं एचआर हेड अवनीश गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं, जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सना अंसारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। चिकित्सकीय एवं तकनीकी सहयोग हेतु गिरधारी गोदारा, महेश मुंजाल, निवेदिता श्रीवास, दीपेंद्र तिवारी एवं मोनू बाल्मीकि पूरे समय उपस्थित रहे। शिविर में जांच के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य शिविर में कुल 96 ओपीडी मरीजों की जांच की गई, जिनमें 12 लोगों के रक्त परीक्षण भी किए गए। सभी लाभार्थियों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं। इस पहल से वनकर्मियों के परिवारों, वन समिति सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। जेके सीमेंट की ओर से डॉ. अरित्रा बनर्जी (CMO) एवं डॉ. सौरभ यादव (हेड एनवायरनमेंट) अपनी सहायक टीम के सदस्य सुदामा गुप्ता के साथ उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से परिक्षेत्र अधिकारी परिवेश भदौरिया द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया। लाभार्थियों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि जेके सीमेंट द्वारा निरंतर आयोजित किए जा रहे ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित लाभार्थियों ने जेके सीमेंट एवं वन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को ह्लस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संतुलित संगमह्व बताया, जो वनकर्मियों एवं ग्रामीणों के कल्याण तथा समाज के प्रति संस्थागत उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, 1 की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस मुंगवानी थाना अंतर्गत सिलवानी निवासी बलराम सिंह ठाकुर उम्र 34 वर्ष अपने किसी काम से बाइक से अकेला जा रहा था वहीं गोगावरी पिपरिया के पास उसे पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं डायल 112 की सहायता से उसे उपचार के लिए नरसिंहपुर जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

जैविक हाट में शुद्ध-ताजी सब्जी खरीदने उमड़ी भीड़

कटनी। जैविक उत्पादों के प्रति बढ़ती जागरूकता का असर अब दिखाने लगा है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा जिला अस्पताल के सामने स्थित नगर निगम मार्केट में हर रविवार की तरह इस बार भी जैविक हाट बाजार लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में खरीददार पहुंचे। उपभोक्ताओं ने फल-फूल, साग-सब्जी और अन्य जैविक उत्पादों की जमकर खरीदारी को। कई परिवारों के लिए अब रविवार को जैविक हाट जाना नियमित दिनचर्या कां हिस्सा बनता जा रहा है। जिले के विभिन्न विकासखंडों से लगभग 20 जैविक किसानों ने इस हाट में सहभागिता की। किसानों ने जैविक ताजी सब्जियां, पिंक मूली, मौसमी फल सहित विविध प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया। खरीदारों ने गुणवत्ता और शुद्धता को प्राथमिकता देते हुए उत्साहपूर्वक खरीदारी की। जैविक और प्राकृतिक खेती उत्पादन करने वाले किसानों की ताजी।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

37 मृत पेंशनधारियों के खातों से हड़पे 27.55 लाख

इलाहाबाद बैंक घोटाले में आउटसोर्स कर्मचारी को 4 साल की सजा, 3 अधिकारी बरी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सतना स्थित इलाहाबाद बैंक में आउटसोर्स कर्मचारी रहे एक शख्स ने ऐसा फजीवाड़ा किया कि जांच एजेंसी भी हैरान रह गई। मृत लोगों की पेंशन निकालने के मामले में 28 फरवरी को सीबीआई की विशेष अदालत ने आरोपी ब्रजेश तिवारी को चार साल की सजा सुनाई और 5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया। जस्टिस रुपेश गुप्ता की अदालत में चले इस मामले की जांच 2017 में जबलपुर सीबीआई ने शिकायत के आधार पर शुरू की थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मृत खाताधारकों के खाते से करीब 27.55 लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए थे। सबूतों के अभाव में तीन बैंक अधिकारियों को बरी कर दिया गया।

37 खातों की पेंशन रकम अपने खाते में डलवाई, जिनकी राशि 30 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक थी।

ऐसे चलता था पेंशन फजीवाड़ा

सतना के इलाहाबाद बैंक में सैकड़ों खातों, खासकर पेंशन खातों में गड़बड़ी की शिकायत 2017 में सीबीआई को मिली थी। जांच में खुलासा हुआ कि जिन लोगों की मौत हो चुकी थी, उनके नाम पर 2011 से 2015 के बीच लगातार पेंशन निकाली जाती रही। पड़ताल के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ बुजुर्गों की करीब 30 हजार रुपए की पेंशन ट्रेजरी फीड के जरिए उनके खातों से निकाल ली गई। इसके बाद सीबीआई ने मामला दर्ज कर गुप्त जांच शुरू की।

मृत पेंशनधारियों के पैसे ऐसे हड़पे

इलाहाबाद बैंक में सैकड़ों खातों के बीच जब किसी खाताधारक की मृत्यु हो जाती थी, तो हेड ऑफिस से जोनल ऑफिस को सूचना भेजी जाती थी कि अब संबंधित व्यक्ति की पेंशन बंद की जाए। यह पूरा डाटा आरोपी ब्रजेश तिवारी के पास पहुंचता था। वह इसी जानकारी का फायदा उठाकर मृत व्यक्तियों के खाते नंबर ट्रेजरी फीड के जरिए बदल देता था, जिससे पेंशन की राशि उसके खाते में ट्रांसफर हो जाती थी। जांच में सामने आया कि 2011 से 2015 के बीच उसने करीब

2005 से नौकरी, 2011 से शुरू किया घोटाला

सतना निवासी आरोपी ब्रजेश तिवारी को साल 2005 में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में नौकरी मिली थी। नौकरी के दौरान उसने कई बैंक मैनेजरों के साथ काम किया। ग्रेजुएशन तक पढ़े ब्रजेश ने 2011 से ही फजीवाड़े का खेल शुरू कर दिया था। 2017 में जबलपुर सीबीआई को एक गुप्त शिकायत मिली कि मृत लोगों के नाम पर भी बैंक से लाखों रुपए की पेंशन निकाली जा रही है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीबीआई ने जांच शुरू की, जिसमें बड़ा खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि ब्रजेश तिवारी ने कुछ बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से पहले हेड ऑफिस से मृत खाताधारकों के खाते नंबर हासिल किए, फिर ट्रिगर फीड सिस्टम में अपना खाता नंबर दर्ज कर पेंशन की रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। दरअसल ट्रिगर फीड इस्तेमाल करते समय खाताधारक का नाम नहीं, केवल खाता नंबर दिखाई देता था। इसी तकनीकी खामी का फायदा उठाकर आरोपी ने अपने खाते की जानकारी दर्ज कर रकम हड़प ली।

2019 में चार्जशीट हुई पेश

जबलपुर सीबीआई की टीम ने शिकायत के बाद जांच करना शुरू कर दिया। 2019 में सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। जांच चलती रही और आखिरकार 2026 फरवरी को पेंशन घोटाला से संबंधित केस का निर्णय आया। हालांकि कोर्ट ने साक्ष्य के आधार पर बैंक अधिकारी बादल पटेल, सचिन दुबे और ए.के गुलाटी को आरोपों से बरी कर दिया। सीबीआई ने मुख्य आरोपी ब्रजेश तिवारी के खिलाफ धारा 420, 468, 471 और 477(ए) के तहत मामला दर्ज किया। सीबीआई अधिवक्ता अंकित गोयल ने बताया कि 2011 से 2015 के बीच जब आरोपी इलाहाबाद बैंक सतना की मुख्य शाखा में पदस्थ था, उसी दौरान उसने माह दर माह यह घोटाला किया। जांच के दौरान यह भी पता चला कि इसने बैंक अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकते हुए यह फजावाड़ा किया। एडवोकेट अंकित गोयल का कहना है कि ब्रजेश तिवारी को पेंशन संबंधित काम के लिए रखा गया था। जिस भी शख्स की मौत हो जाती थी, तो उसका डाटा हेड ऑफिस से जोनल ऑफिस आता था, जिसे देखने का काम आरोपी ब्रजेश तिवारी का होता था। जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी ने ट्रिगर फीड के जरिए 37 खाते से पेंशन के रुपए निकालकर अपने खाते में ट्रांसफर किए थे। आरोपी ने 37 माह के दौरान 37 बार अलग-अलग खाते की राशि ट्रांसफर की थी।

बैंक की व्यस्तता-फजीवाड़े की वजह

सीबीआई जांच में यह भी सामने आया कि जिस भी पेंशनधारी की मौत हो जाया करती थी, उसके मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ हेड ऑफिस में जानकारी जाती थी, जिसके बाद जोनल ऑफिस को बताया जाता था, इस व्यक्ति की मौत हो गई है, इसका खाता बंद कर दिया जाए। पासवर्ड ब्रजेश तिवारी के पास हुआ करते थे, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी ने बंद होने वाले खाते की एक पेंशन राशि अपने एकाउंट में ट्रांसफर करवा ली। आरोपी ने करीब 27 लाख 55 हजार का घोटाला किया था, जिसके चलते सीबीआई कोर्ट ने उसे सजा सुनाई।

दमोह का मनीष प्रधान ढाई साल से फरार, पनागर पुलिस ने दबोचा

4 हजार का इनामी NDPS एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पनागर पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 4,000 रुपए का इनाम घोषित था। उसे शनिवार शाम को सटीक सूचना के आधार पर पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दमोह जिले के जबेरा निवासी मनीष प्रधान के रूप में हुई है। मनीष पनागर थाने में साल 2024 में दर्ज NDPS एक्ट के एक गंभीर मामले में मुख्य आरोपी था। घटना के बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि मनीष प्रधान एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी ठ‌ढ्ढर एक्ट के तहत चार अन्य मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारी विपिन ताम्रकार के अनुसार, आरोपी पिछले लगभग ढाई साल से कानून की गिरफ्त से बचने का प्रयास कर रहा था। फिलहाल, मनीष प्रधान पुलिस रिमांड में है। पुलिस उससे सख्ती से पूछताछ कर रही है ताकि नशीले पदार्थों के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों और उनके स्रोतों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

पीएचई के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री संजय पांडे की डिग्री हुई मृग मरीचिका - कुंवर सिंह

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मऊगंज में पदस्थ कार्यपालन यंत्री संजय पांडे की डिग्री को लेकर कांग्रेस नेता कुँवर सिंह पटेल कहा कि संजय पांडे की डिग्री मृग मरीचिका हो गयी है जिसे लेकर मध्य प्रदेश के विधानसभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम एवं सेमरिया विधायक अभय मिश्रा के द्वारा सवाल पूछे जाने के बावजूद एवं इसी प्रकार प्रमुख सचिव, मुख्य अभियंता सहित तमाम अधिकारियों के आदेश के बावजूद आज दिनांक तक संजय पांडे ने अपनी डिग्री किसी को नहीं दिखाए और ना ही विभाग में जमा किया गया है ऐसा लगता है कि संजय पांडे फर्जी डिग्री प्रस्तुत करके नौकरी प्राप्त किए हैं जिस पर फर्जी डिग्री का अलग मुकदमा और भ्रष्टाचार पर अलग से मुकदमा दर्ज होना चाहिए, इतना सभी कुछ होने के बावजूद डिग्री न दिखाना कंही न कही डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल का संरक्षण प्राप्त है।

साजन होळी पै आवो तो हिवड़ो उच्छब करै..." से गूंजा काव्य कुंज रोटेदा??, हाडीराणी राजस्थानी भाषा मंच ने होली पर सजाई काव्य गोष्ठी??

हाडीराणी राजस्थानी भाषा मान्यता, साहित्य सिरजन एवं सांस्कृतिक मंच रोटेदा द्वारा होली के उपलक्ष्य में काव्य कुंज रोटेदा में भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मयंक जैन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लोकेश मीणा उपस्थित रहे। गोष्ठी का शुभारंभ लोकेश कुमार आजाद द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात पुष्कर चौधरी ने फागुन के भक्तिमय गीत प्रस्तुत कर वातावरण को रंगमय बना दिया। सत्यप्रकाश गौतम ने हास्य-व्यंग्य से श्रोताओं को गुदगुदाया, वहीं दीपेश सुमन ने गंभीर कविता पाठ कर प्रभाव छोड़ा। बालकवि अंशुल गौतम ने अपनी रचनाओं से कार्यक्रम में उत्साह घोला। कवयित्री कोमल शर्मा ने होली के मनमोहक छंदों से खूब वाहवाही बटोरी। मनोज सोनी ने पढ़ाई और बेरोजगारी जैसे समसामयिक विषयों पर तीखा तंज कसा, जबकि मनीष गौतम ने भी समसामयिक कविता पाठ कर सराहना प्राप्त की। मंच संरक्षक देवकी दर्पण ने अपनी प्रकृति-परक होली गीत साजन होळी पै आवो तो हिवड़ो उच्छब करै..." प्रस्तुत कर समां बांध दिया। अंत में सभी कवियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन मुकेश शर्मा ने किया।

ग्राम कपसा में गृह प्रवेश के अवसर हुआ बुद्ध धम्म का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । जिले की सेमरिया तहसील अंतर्गत ग्राम कपसा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह निवासी अमरा सेमरिया रोड़ स्थित नवीन आवास पर गृह प्रवेश के अवसर पर बुद्ध धम्म का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें शांति और सामाजिक समरसता तथा समनता और बुद्ध विचार धारा पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान तथागत बुद्ध के करुणा समानता के साथ भाईचारे का विचार साझा किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजनं भी किया गया। इस अवसर पर गुरुचरण बौद्ध, श्रवण कुमार बौद्ध, आचार्य चंद्रशेखर पटेल, एड.शिव सिंह, रोहिणी प्रताप सिंह, इंजीनियरिंग दीपक सिंह, सत्येंद्र सिंह गुड्डा, विश्वनाथ पटेल चोंटीवाला, इंद्रजीत सिंह शंख्खू, घनश्याम सिंह,आचार्य राजेंद्र सिंह, आचार्य सुभाष पटेल,रामजीत सिंह तेजभान सिंह अशोक सिंह, शिवमंगल सिंह, कमलेश्वर सिंह, विजय पटेल, दिनेश डायमंड, दिनेश ओबीसी, संत कुमार, केबी सिंह, अर्जुन सिंह भूपेंद्र पटेल,अजय सिंह विजय सिंह पटेल सहित क?ई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

शिक्षक की लापरवाही से छात्र का पेपर छूटा:जबलपुर में परीक्षा केंद्र से लौटाया गया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर जिले के बरेला स्थित सांदीपनि विद्यालय में एक शिक्षक की लापरवाही के कारण छात्र का परीक्षा वर्ष संकट में आ गया है। पीड़ित छात्र शरद विश्वकर्मा ने इस संबंध में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। छात्र शरद विश्वकर्मा का आरोप है कि विद्यालय के शिक्षक ओम प्रकाश तिवारी ने परीक्षा फॉर्म भरते समय उसकी चुनी हुई विषय संस्कृत के स्थान पर अंग्रेजी विषय भर दिया। इस त्रुटि के कारण प्रवेश पत्र में संस्कृत की जगह अंग्रेजी विषय अंकित हो गया। शरद विश्वकर्मा ने बताया कि उसने कक्षा 9वीं में भाषा विषय के रूप में संस्कृत का चयन किया था। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा प्रणाली के अनुसार, विद्यार्थियों को भाषा के तीन विषयों में से दो का चयन करना होता है और उन्हीं विषयों की परीक्षा देनी होती है। फॉर्म में बदलाव के कारण वह निर्धारित विषय की परीक्षा नहीं दे सका।

छात्र के अनुसार, जब उसने इस त्रुटि की जानकारी अपने क्लास टीचर को दी, तो उसे समस्या के समाधान का आश्वासन मिला था। हालांकि, 19 फरवरी को जब वह परीक्षा देने केंद्र पहुंचा, तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई और बाहर कर दिया गया। इस पूरे मामले की जानकारी छात्र द्वारा स्कूल प्राचार्य, कलेक्टर और कमिश्नर को भी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में छात्र ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने और उसका एक वर्ष खराब होने से बचाने की मांग की है।

जवा जनपद सभागार में हंगामों के बीच सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

सदन में पारित प्रस्तावो का शीघ्रता के साथ करे निराकरण: रन्नू पाण्डेय

दैनिक रेवांचल टाइम्स जवा। जिले के जवा जनपद पंचायत सभागार में सामान्य सभा की बैठक का आयोजन जवा जनपद पंचायत अध्यक्षया श्रीमती रन्नू पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में जनपद उपाध्यक्ष झंडीलाल वर्मा ,संचार संकर्म समिति अध्यक्ष प्रवल पाण्डेय,जनपद सदस्य नेहा द्विवेदी ,रेखा राजेश शुक्ला, सुशीला गौतम, प्रभावती वर्मा, ममता आदिवासी, कप्तान वर्मा, अनीता आदिवासी,सीईओ शुलाभ सिंह पुशाम,बीपीओ जितेंद्र सिंह, मनरेगा समन्वयक नागेन्द्र सिंह,लेखापाल ऋषभ तिवारी अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद मिश्रा, बीआरसीसी शिवाकांत गौतम, चांदी प्राचार्य विश्वनाथ द्विवेदी सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जवा जनपद पंचायत सीईओ सुलभ सिंह पुशाम द्वारा विभिन्न योजनाओं सहित पूर्व में पारित बैठक में शामिल एजेंडा के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया। समान्य सभा बैठक की शुरूआत काफी हंगामेदार रही। वही संचार निर्माण समिति सभापति प्रवल पाण्डेय ने पिछली समान्य सभा की बैठक मे पारित किये गये प्रस्तावो पर किसी भी तरह की कार्यवाही ना होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सदन द्वारा पूर्व में पारित प्रस्तावों पर किसी भी तरह की कार्यवाही एवं मांगों का निराकरण ना किया जाना यह सदन का अपमान है। साथ ही उन्होंने पीएम आवास के सर्वे में सचिवो द्वारा की जा रही अवैध बसूली, बंद पड़ी गौशालाओं को चालू करवाने हेतु सदन का ध्यानाकर्षण कराकर प्रस्ताव पारित किया गया एवं सदन द्वारा पारित प्रस्तावों पर गंभीरता के साथ अमल में लाने की मांग की ।जनपद उपाध्यक्ष झंडीलाल वर्मा ने बिगड़े हैण्ड पम्प की शीघ्रता के साथ मरम्मत कराये जाने, मनरेगा के मजदूरी भुगतान,जनपद सभागार की मरम्मत सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर आवश्यक प्रस्ताव पारित किया गया। महिला बाल विकास सभापति नेहा द्विवेदी एवं सहकारिता सभापति रेखा राजेश शुक्ला ने भी विभिन्न क्षेत्रीय समस्याओ पर चर्चा कर सदन का ध्यानाकर्षण कराकर प्रस्ताव पारित किया गया। जनपद अध्यक्षया श्रीमती रन्नू पाण्डेय ने भी सदन द्वारा पारित प्रस्ताव पर कार्रवाई ना होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सदन की गरिमा को बचाए रखने एवं पारित प्रस्तावो का शीध्रता से निराकरण का निर्देश अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन तत्परता के साथ करें जिससे आमजन को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। सीईओ शुलाभ सिंह पुशाम ने पारित प्रस्तावों पर कार्यवाही का आश्वासन देते हुए उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सामान्य सभा की बैठक में जनपद सदस्य कौशलेश आदिवासी, प्रियंका तिवारी, अनीता कोल सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया।

जबलपुर में हिंदू सेवा परिषद ने थानों में सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर के सिहोरा में दुर्गा मंदिर में कुछ दिन पहले हुई उपद्रव की घटना को लेकर हिंदू सेवा परिषद ने पुलिस थानों में ज्ञापन सौंपे हैं। परिषद के कार्यकताओं ने आरोप लगाया है कि पूजा के दौरान असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर अव्यवस्था फैलाई, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। घटना के विरोध में परिषद के कार्यकताओं ने पुलिस अधीक्षक ने नाम ज्ञापन सौंपकर घटना में शामिल दोषियों की निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जन समस्याओं की होली, 4 मार्च को होली मिलन समारोह

शहर जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर 2 मार्च को जलाएगी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जन समस्याओं की होली (होलिका दहन) एवं कांग्रेस का होली उत्सव (होली मिलन समारोह) का आयोजन किया जा रहा है। कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि आम जनता की समस्याओं को प्रतीकात्मक रूप से प्रदर्शित करते हुए 2 मार्च 2026 को रात्रि 8:00 बजे रसल चौक चौराहा पर जन समस्याओं की होली कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार सहित विभिन्न जन समस्याओं के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से होलिका दहन किया जाएगा। इसके पश्चात 4 मार्च 2026 को दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक कांग्रेस कार्यालय, रसल चौक में ह्लकांग्रेस का होली उत्सवह्व (होली मिलन समारोह) आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में कांग्रेसजन एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देंगे तथा संगठन की मजबूती एवं जनसेवा का संकल्प लेंगे। कांग्रेस परिवार ने सभी कार्यकताओं एवं आम नागरिकों से दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

अब 17 डिब्बों के साथ चलेगी ट्रेन, होली पर यात्रियों को राहत

कोटा-जबलपुर होली स्पेशल में 5 अतिरिक्त कोच जुड़े

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल ने होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कोटा-जबलपुर-कोटा होली एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन में 5 अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं। इन अतिरिक्त कोचों में 3 शयनयान (स्लीपर), 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (एसी-3 टियर) और 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी सह द्वितीय श्रेणी (एसी-3 टियर कम एसी-2 टियर) कोच शामिल हैं। इस वृद्धि के बाद, अब ट्रेन में

कुल 17 कोच उपलब्ध होंगे। इन 17 कोचों में 6 सामान्य श्रेणी, 5 स्लीपर, 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी सह द्वितीय श्रेणी और 2 बैठक श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। गाड़ी संख्या 09806 कोटा से जबलपुर के लिए 01 और 03 मार्च को शाम 18:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 06:55 बजे जबलपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09805 जबलपुर से कोटा के लिए 02 और 04 मार्च को सुबह 09:10 बजे प्रस्थान कर रात 22:15 बजे कोटा पहुंचेगी।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477
E-CARD
Online Form
MP POLICE
MPPSC
UPSC
SSC
RAILWAY
BANK
COLLEGE
RTE SCHOOL
INDIAN ARMY
INDIAN NAVY
NDA
NEET
Document
जीएसटी
पासपोर्ट
ITR Returns
पैन कार्ड
आयुष्मान कार्ड
समग्र आईडी
श्रमिक कार्ड
ड्राईविंग लाईसेंस
रोजगार पंजियन
उद्योग आधार
स्कॉलरशिप फार्म
WEDDING INVITATION
VIDEO
BANNER DESIGN
VISITING CARD
BIRTH DAY INVITATION
INAUGRATION
OTHER E-CARD
Quick Job Apply
सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।
जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म
व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादक: अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायलयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592